श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र

जैन प्रकाश

अप्रैल - द्वितीय
अंक - 6

सम्पादक : डॉ. अमित जैन
Mob. 9837394448, 9997889995
E-mail : amitraijain78@gmail.com

Address Here

श्रमण संघीय प्रथम पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर
आचार्य सम्राट् पूज्य श्री आत्माराम जी म.

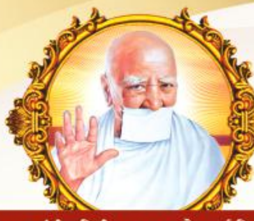

श्रमण संघीय द्वितीय पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर
आचार्य सम्राट् पूज्य श्री आनन्दऋषि जी म.

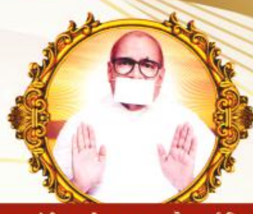

श्रमण संघीय तृतीय पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर
आचार्य सम्राट् पूज्य श्री देवेन्द्र मुनि जी म.

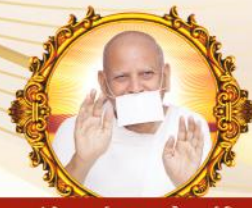

श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर, जैन धर्म दिवाकर
आचार्य सम्राट् पूज्य डॉ. श्री शिवमुनि जी म.

विक्रम संवत् - 2083
वीर संवत् - 2552
ई. सन् - 2026

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ अमृत महोत्सव वर्ष शुभारम्भ - अक्षय तृतीया (1952 - 2026)

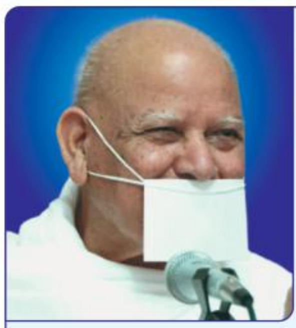

आत्म धर्म के संस्थापक भगवान आदिनाथ

- युग प्रधान आचार्य सम्राट् पूज्य डॉ. श्री शिवमुनिजी म.सा.

(गतांक से आगे)

प्रभु ऋषभदेव ने चैत्र कृष्णा अष्टमी को दीक्षा ली, उनके साथ चार हजार लोगों ने दीक्षा ली, लेकिन प्रभु ने किसी को ज्ञान देने का संकल्प नहीं रखा। सर्वप्रथम अपनी साधना को पूर्ण करने के लिए दीक्षा लेते ही मौन स्वीकार लिया व एकत्व की साधना स्वीकार की। एकान्त में रहकर साधना करते हैं, क्योंकि उन्हें जन्म से ही यह बोध हो गया था कि मैं जीव आत्मा हूँ। शरीर इस जीव के रहने का स्थान मात्र है। उनका आयुष्य 84 लाख पूर्व का था, 83 लाख पूर्व गृहस्थ अवस्था में रहे पर अलिप्त रहे। 1 हजार वर्ष छद्मस्थ काल में रहे। तत्पश्चात् केवल ज्ञान पर्याय में रहकर निर्वाण को प्राप्त किया।

वे जानते थे कि आत्मा अजर-अमर, अविनाशी है। शरीर आत्मा के रहने का निवास स्थान है, शरीर की इच्छाएँ, आवश्यकताएँ हैं, वे मेरी नहीं है, मुझ जीव को कुछ नहीं चाहिए। मैं जीव में रहकर अनंत सुख का अनुभव कर रहा हूँ। अतः उनका ध्यान शरीर की ओर जाता ही नहीं था, उनके लिए शरीर गौण था, आत्मा मुख्य थी, आत्मा केन्द्र बिन्दु थी। अतः वे हर हाल, हर परिस्थिति में आनन्द, शांति व सुख में रमण करते थे। उनके शरीर को भोजन नहीं मिलने पर वे कभी आर्त्त-रौद्र ध्यान में नहीं जाते थे।

कर्म सिद्धान्त : वे अपने जीवन में कर्म सिद्धान्त को स्वीकारते थे, वे कभी किसी निमित्त को दोष नहीं देते थे, वे न निमित्त से राग करते, न द्वेष करते थे, वे उदय कर्म पर विश्वास रखते थे, उन्हें अपने स्वरूप का बोध था एवं वे जानते थे कि जब पाँच समवाय मिलेंगे तभी इस शरीर को आहार मिलेगा, तब तक मुझे अपने समाधि भाव को बनाए रखना है।

काल, स्वभाव, नियति, कर्म व पुरुषार्थ ये पाँच समवाय सब मिलेंगे तब आवश्यक होगा तो शरीर को आहार मिलेगा। वे प्रतिदिन पुरुषार्थ करते भिक्षा के लिए जाते, उदय कर्म के अधीन 13 महीने के बाद संयोग बना व राजा श्रेयांस ने उनको प्रथम भिक्षा प्रदान कर वर्षीतप का पारणा करवाया। अतः वर्तमान में हम सभी को कर्म सिद्धांत पर दृढ़ विश्वास रखना चाहिए।

अनेकान्तवाद : प्रभु आदिनाथ ने 1 हजार वर्ष की साधना के पश्चात् सिद्धांत प्रतिपादित किया। प्रत्येक जीव यात्री है, प्रत्येक की अपनी वृत्तियाँ, उन वृत्तियों को देखना मिथ्यात्व है। वृत्तियों पर प्रतिक्रिया करना विभाव है। कर्म बन्धन का कारण है। अतः वे पिण्ड को पराया मानकर पिण्ड से मोह तोड़ने का पुरुषार्थ करते रहे और अन्ततः शरीर का मोह क्षय कर लगातार एक मुहूर्त तक आत्मा को आत्मा में स्थित कर केवल ज्ञान, केवल दर्शन को प्राप्त कर गये। ये उनके पुरुषार्थ का फल था। वर्तमान चौबीसी में आत्म धर्म के संस्थापक प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव भगवान के जीवन द्वारा भेद विज्ञान, कर्म सिद्धान्त, अनेकान्तवाद इन तीन सिद्धान्तों को आत्मसात करते हुए पुद्गल के चिन्तन का त्याग कर आत्मा में स्थित हुए तो अक्षय तृतीया मनाना सार्थक होगा।

श्रमण संघ स्थापना के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। चतुर्विध संघ आद्य तीर्थंकर से प्रेरणा लेकर जीव तत्व जो अजर-अमर अविनाशी तत्त्व है, उसकी साधना कर अपने जीव को सिद्धशिला में ले जाने का पुरुषार्थ करें तो जीवन सफल होगा, तप की आराधना सार्थक होगी।

अध्यक्षीय

अक्षय तृतीया : परंपरा, प्रेरणा और श्रमण संघ का अमृत महोत्सव वर्ष

- अतुल जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष
जैन कॉन्फ्रेंस
E-mail : ajvk1973@gmail.com

प्रिय समाज बंधुओं,

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि 19 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया का पावन पर्व हमारे समक्ष एक विशेष आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक प्रेरणा लेकर उपस्थित हो रहा है। जैन परंपरा में यह दिवस अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का पारणा राजा श्रेयांस के हाथों इक्षुरस से सम्पन्न हुआ था। यह प्रसंग त्याग, तप और श्रद्धा की उस अद्भुत परंपरा का प्रतीक है, जिसने मानवता को संयम और साधना का मार्ग दिखाया।

इसी पावन तिथि का एक और ऐतिहासिक महत्व है। वर्ष 1952 में घाणेराव-सादड़ी की पुण्यभूमि पर अक्षय तृतीया के ही दिन श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ का गठन हुआ था। आज उस गौरवशाली स्थापना के 75वें वर्ष का प्रारम्भ हो रहा है, जिसे हम सभी "अमृत महोत्सव वर्ष" के रूप में मनाने जा रहे हैं। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी परंपरा, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ और समर्पण की अमिट यात्रा का उत्सव है।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, जो श्रमण संघ की मातृसंस्था है, इस अमृत महोत्सव वर्ष को व्यापक, संगठित और प्रेरणादायी रूप में मनाने के लिए संकल्पित है। इस दिशा में अनेक आंतरिक बैठकों के माध्यम से योजनाएँ तैयार की जा चुकी हैं, जो शीघ्र ही धरातल पर साकार रूप में दिखाई देंगी।

श्रमण संघ का यह अमृत महोत्सव वर्ष हम सभी के लिए केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि संगठन की शक्ति को पुनः जागृत करने का भी सुअवसर है। यह समय है कि हम अपने इतिहास से प्रेरणा लेकर वर्तमान को सुदृढ़ करें और भविष्य को उज्ज्वल बनाने का संकल्प लें।

मैं आप सभी समाज बंधुओं, प्रांतीय शाखाओं, युवा एवं महिला शाखाओं तथा प्रत्येक सक्रिय कार्यकर्ताओं से विनम्र आग्रह करता हूँ कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस अमृत महोत्सव वर्ष को पूर्ण उत्साह, समर्पण और व्यापक जनसहभागिता के साथ मनाएँ। इस पावन अवसर का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें।

आप सभी को अक्षय तृतीया के इस पावन पर्व की मंगलमयी शुभकामनाएँ। यह अवसर हम सभी के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति, संगठनात्मक सुदृढ़ता और सेवा के नए आयाम लेकर आए, ऐसी शुभ मंगलभावनाएं।

सम्पादकीय

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के ताजातरीन फैसले के संदर्भ में...

धर्म परिवर्तन, संवैधानिक सीमाएँ और जैन समाज का भविष्य : एक गंभीर विमर्श

- डॉ. अमितराय जैन, राष्ट्रीय महामंत्री - जैन कॉन्फ्रेंस

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय ने एक बार पुनः यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में अनुसूचित जाति (Scheduled Castes) का संवैधानिक दर्जा धर्म-विशिष्ट है। न्यायालय ने अपने निर्णय में संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के प्रावधानों-विशेषतः पैरा 3-का हवाला देते हुए यह दोहराया कि अनुसूचित जाति का लाभ केवल उन व्यक्तियों तक सीमित है, जो हिंदू, सिख अथवा बौद्ध धर्म का पालन करते हैं।

यह निर्णय विधिक दृष्टि से भले ही पूर्व स्थापित न्यायिक परंपरा के अनुरूप हो-जैसा कि C.M. Arumugam V. S. Rajagopal (1975) तथा Guntur Medical College V. Y. Mohan Rao (1976) में प्रतिपादित किया गया था परंतु इसके सामाजिक और धार्मिक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक और चिंताजनक हैं। विशेष रूप से, यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो उठता है कि इस निर्णय का जैन धर्म और उसे अपनाने वाले अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्गों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कानूनी परिप्रेक्ष्य : धर्म और जाति का संबंध - भारतीय संविधान का अनुच्छेद 341 राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि वह किन जातियों को अनुसूचित जाति घोषित करेगा। इसके अंतर्गत 1950 का आदेश स्पष्ट करता है कि यह दर्जा केवल कुछ विशिष्ट धर्मों तक सीमित है। न्यायालय ने Punjabrao V. D.P. Meshram (1964) में "Profess" शब्द की व्याख्या करते हुए यह स्थापित किया कि धर्म का पालन केवल जन्म से नहीं, बल्कि सार्वजनिक रूप से उस धर्म को स्वीकार करने से निर्धारित होता है।

इस प्रकार, जब कोई व्यक्ति जैन धर्म-जो कि वर्तमान आदेश में शामिल नहीं है-को अपनाता है, तो विधिक दृष्टि से वह अनुसूचित जाति के लाभों से वंचित हो सकता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासनिक आदेश (जैसे 1977 का G.O.) संविधान के प्रावधानों को अधिरोहित नहीं कर सकते।

जैन धर्म और सामाजिक परिवर्तन की परंपरा - जैन धर्म केवल एक आस्था नहीं, बल्कि जीवन-पद्धति है, जिसका मूल आधार है-अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांतवाद और समता। पिछले 50-200 वर्षों में भारत के विभिन्न हिस्सों में अनेक वंचित समुदायों ने इस धर्म को अपनाया जिनके वंशज आज भी जैन धर्म के मुताबिक अपने जीवन को अहिंसा, करुणा एवं जैन धर्म आराधना से स्वयं को जोड़े हुए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 में)

ALDACO
AIM HIGH

Sudershan Jain
National Chairman – Jan Kalyan Yojana
Jain Conference, New Delhi

DEALS IN NON LEATHER FOOTWEAR
ALDACO FOOTWEAR
9310899901 | Aldacofootwear@gmail.com

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघीय पदाधिकारीगण
श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र
जैन प्रकाश

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के पदाधिकारी साधु-साध्वीवृंद

युगप्रधान, ध्यानयोगी, आचार्य सम्राट् परम पूज्य श्री शिवमुनिजी म.सा.
आगमज्ञाता प्रज्ञामहर्षि युवाचार्य परम पूज्य श्री महेन्द्रऋषिजी म.सा.

उपाध्याय मण्डल

परम श्रद्धेय डॉ. श्री विशालमुनिजी म.सा. 'वाचनाचार्य'
परम श्रद्धेय श्री रमेशमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय डॉ. श्री जितेन्द्रमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री प्रवीणऋषिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री रवीन्द्रमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय डॉ. श्री गौतममुनिजी म.सा. 'प्रथम'

प्रवर्तक मण्डल

परम श्रद्धेय श्री कुन्दनऋषिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री प्रकाशमुनिजी म.सा. 'निर्भय'
परम श्रद्धेय डॉ. श्री राजेन्द्रमुनिजी म.सा
परम श्रद्धेय श्री सुकनमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री विजयमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री सुभद्रमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री आशीषमुनिजी म.सा.

मंत्री मण्डल

परम श्रद्धेय श्री शिरीषमुनिजी म.सा. (प्रमुख मंत्री)
परम श्रद्धेय श्री कमलमुनिजी म.सा. 'कमलेश' (संघ-नीति एवं जनसम्पर्क)

सलाहकार मण्डल

परम श्रद्धेय श्री सुरेशमुनिजी म.सा. 'शास्त्री'
परम श्रद्धेय श्री तारकऋषिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री रमणीकमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय श्री दिनेशमुनिजी म.सा.
परम श्रद्धेय डॉ. श्री राममुनिजी म.सा. 'निर्भय'

प्रवर्तिनी मण्डल

परम श्रद्धेया महासती डॉ. श्री चंदनाजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती श्री सरिताजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती डॉ. श्री सुप्रभाजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती श्री सुधाजी म.सा.
परम श्रद्धेया महासती डॉ. श्री प्रतिभाकंवरजी म.सा.

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस-विश्वस्त मण्डल

श्री रमेश भण्डारी जैन, इन्दौर - चेयरमैन	93021 03817
श्री बाबूलाल रांका जैन, बैंगलोर	93434 83838
श्री रमनलाल लुंकड़ जैन, पूना	98505 00015
श्री सुभाष ओसवाल जैन, नई दिल्ली	98110 45440
श्री अतुल जैन, नई दिल्ली	98110 75336
श्री आनंदमल छल्लाणी जैन, चेन्नई	98410 30035
डॉ. अमितराय जैन, बड़ौत	98373 94448
श्री प्रकाश धारीवाल जैन, पुणे	98222 42795
श्री अशोक मेहता जैन, सूरत	98251 19082
श्री उगमचंद गांधी जैन, इचलकरंजी	93260 22525
श्री विनय कुमार जैन, पानीपत	83968 00000
श्री पदमचंद कांकरिया जैन, चेन्नई	98841 67400
श्री राजीव जैन 'सी.ए.', दिल्ली	98110 42280
श्री कांतिकुमार लोढ़ा जैन, छत्रपति संभाजीनगर	82862 00000
श्री संजीव जैन, लुधियाना	98140 25325
श्री सुनील बाफना जैन, घोड़नदी	98505 67010

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ की मातृसंस्था
श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली
सम्माननीय पदाधिकारीगण-कार्यकाल वर्ष : 2025-27

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अतुल जैन, दिल्ली	98110 75336
राष्ट्रीय महामंत्री : प्रो. डॉ. अमितराय जैन, बड़ौत	98373 94448
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष : श्री विनयकुमार जैन, पानीपत	83968 00000
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री विजय जैन, पानीपत	98966 00022
राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन : श्री नरेश बोहरा जैन, मुंबई	76665 40600
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष : श्री जसवंत जैन, दिल्ली	98104 35108
राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष : श्री रजनीश जैन 'राज', दिल्ली	98116 14567

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री आनंदमल छल्लाणी जैन, चेन्नई	98410 30035

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री जे. डी. जैन, गाज़ियाबाद	98100 06462
श्री नेमीचन्द चोपड़ा जैन, पाली	98290 25729
श्री अविनाश चोरड़िया जैन, नई दिल्ली	93138 13899
पद्मश्री श्री नेमनाथ जैन, इंदौर	98930 32777
श्री पारस मोदी जैन, मुंबई	98200 60530

राष्ट्रीय पर्यवेक्षण समिति

राष्ट्रीय पर्यवेक्षक : श्री सुभाष ओसवाल जैन, दिल्ली	98100 45440
राष्ट्रीय पर्यवेक्षक : श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	98111 97000

राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक

श्री महावीर रांका जैन, पोलुर	94442 04046
श्री विमलप्रकाश जैन, जालंधर सिटी	98151 84811
श्री संजय जैन, दिल्ली	98111 67770
श्री डिपिन नेमनाथ जैन, इन्दौर	78699 99222
श्री विजयकांत कोठारी जैन, पुणे	98230 82152

राष्ट्रीय समन्वय समिति

श्री प्रशांत जैन, 'गांधरा' दिल्ली (मुख्य समन्वयक)	98101 21450
श्री सुरेशकुमार लुणावत जैन, चेन्नई (ज़ोन - 1)	98842 21003
श्री राकेश जैन 'लक्की', लुधियाना (ज़ोन - 2)	98150 20661
श्री कंवरलाल सूरिया जैन, भीलवाड़ा (ज़ोन - 3)	94141 13056
श्री ईश्वर बाबूसेठ बोरा जैन, अहिल्यानगर (ज़ोन - 4)	98237 99998
श्री जयंतिलाल कूकड़ा जैन, सूरत (ज़ोन - 5)	98251 35744

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष

श्री महेन्द्र बोकरिया जैन, दिल्ली	98681 25710

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री सुरेशचंद छल्लाणी जैन, बैंगलोर	93412 32573
श्री पुखराज मेहता जैन, बैंगलोर	98446 77725
श्री एम. गौतमचंद गुगलिया जैन, हैदराबाद	92463 61008
श्री दिनेश कुमार भलगट जैन, चेन्नई	98402 64888
श्री राजन जैन, लुधियाना	98140 77445
श्री विमलचंद जैन, अम्बाला	94667 01008
श्री पुष्कर जैन, मेरठ	94122 06374
श्री महावीर प्रसाद जैन, दिल्ली	98113 58110
श्री विपिन आनंदप्रकाश जैन, दिल्ली	99113 00888
श्री जयकुमार जैन, दिल्ली	98106 72111
श्री रामनिवास जैन, दिल्ली	98112 95715
श्री रमेश जैन 'शामड़ी', दिल्ली	93509 16150
श्री नेमीचंद धाकड़ जैन, उदयपुर	95117 05291
श्री महेश डाकोलिया जैन, इन्दौर	77738 66000
श्री ललित मोदी जैन, नाशिक	94222 46500
श्री सतीश बाबूसेठ लोढ़ा जैन, अहिल्यानगर	94222 22138
श्री सुनील मोहनलाल चोपड़ा जैन, नाशिक	94239 63100
श्री जीवनराज पुनमिया जैन, इचलकरंजी	94205 85878
श्री कीर्ति दुग्गड़ जैन, पुणे	98220 34344
श्री शंभुलाल ललवानी जैन, अहमदाबाद	99783 47800

राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार मंत्री

श्री एस. के. जैन 'सी.ए.', दिल्ली	98102 78217

जीवन प्रकाश योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री बाबूलाल रांका जैन, बैंगलोर	93434 83838
राष्ट्रीय मंत्री : श्री अशोककुमार धोका जैन, बैंगलोर	98440 58123

मानव सेवा योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री प्रकाश भटेवरा जैन, इन्दौर	98270 31032
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री मनीष बाफना जैन, सूरत	93749 86671
राष्ट्रीय मंत्री : श्री जितेन्द्र चोपड़ा जैन, इन्दौर	93021 27805

जीव दया योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री मनोहरलाल लोढ़ा जैन, मावली सिंधु	94224 59362
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रोशनलाल वड़ाला जैन 'सी.ए.', नवी मुंबई	98200 72121

ज्ञान प्रकाश योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री नरेश आनंदप्रकाश जैन, दिल्ली	95400 02778
चेयरमैन : श्री सुरेश जैन, दिल्ली	98112 39872
वाईस चेयरमैन : श्री पदमचंद कांकरिया जैन, चेन्नई	98841 67400
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री सुरेशचंद जैन, दिल्ली	98117 48722
राष्ट्रीय मंत्री : श्री नरेन्द्र जैन, दिल्ली	98101 63165

वैय्यावच्च योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अशोक रांका जैन, बैंगलोर	99455 41200
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रतनचंद सिंघवी जैन, बैंगलोर	93425 97955

अल्पसंख्यक योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री कांतिकुमार लोढ़ा जैन, छत्रपति संभाजीनगर	82862 00000
राष्ट्रीय मंत्री : श्री शैलेष शोभाचंद संचेती जैन, वैजापुर	94214 18121

जैन कॉन्फ्रेंस आत्म-ध्यान योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शशिकांत 'पिन्टू' कर्नावट जैन, मालेगांव	98239 55515
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रोहित छाजेड़ जैन, छत्रपति संभाजीनगर	94207 64456

हर प्रांत जैन भवन योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अशोक कुमार एन. पगारिया जैन, पुणे	94220 36831
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री विनय कुमार नाहटा जैन, दिल्ली	98110 12512
राष्ट्रीय मंत्री : श्री प्रफुल्ल कोठारी जैन, पुणे	90110 17777

राष्ट्रीय जन कल्याण योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : सतिन्दर वीर जैन	98110 70722
राष्ट्रीय चेयरमैन : सुदर्शन जैन	93108 99904
राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन : संजय जैन	98187 25000
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : नंदीवर्धन जैन	98110 39625
राष्ट्रीय मंत्री : कनिका संदीप जैन	96549 73690

विहारधाम योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री कांतिलाल चोपड़ा जैन, नाशिक	94229 44800
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री तनसुख झामड़ जैन, छत्रपति संभाजीनगर	98226 59910
राष्ट्रीय मंत्री : श्री मुकेश जैन 'सांड़', मोहाली	93185 93599

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय डिजिटाईजेशन योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री सुभाष जैन 'लिली', गिदड़बाहा	98146 99393
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री राजीव सुनील सांखला जैन, बैंगलोर	98445 46014
राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन : श्री संजय जैन 'चिली', दिल्ली	93501 32274
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री राकेश जैन, दिल्ली	98101 93101
राष्ट्रीय मंत्री : श्री मनधीर जैन, लुधियाना	98141 05020

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय मीडिया संचार योजना

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री संजय जैन, दिल्ली	93191 87434
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री अजय जैन ' प्रथम', दिल्ली	97117 74004
राष्ट्रीय मंत्री : लक्ष्मीलाल वीरवाल जैन	94604 45060

राष्ट्रीय युवा शाखा

अध्यक्ष : श्री विपुल जैन, दिल्ली	87662 14456
चेयरमैन : श्री अंकुर जैन, दिल्ली	98711 98111
कार्याध्यक्ष : श्री कमलेश नाहर जैन, अहमदाबाद	93767 37111
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री मंजीत शांतिलाल कोठारी जैन, सूरत	93745 44138
महामंत्री : श्री अमित कांतिकुमार लोढ़ा जैन, छत्रपति संभाजीनगर	91522 11555
कोषाध्यक्ष : श्री मुनीष पकंज जैन, दिल्ली	99998 38345

राष्ट्रीय महिला शाखा

अध्यक्षा : श्रीमती संतोष सुरेश जैन, दिल्ली	98687 04326
चेयरमैन : श्रीमती अनामिका कुलदीप तलेसरा, सूरत	94278 08401
वाईस चेयरमैन : श्रीमती मीनाक्षी विनय जैन, दिल्ली	98187 44166
वरिष्ठ उपाध्यक्षा : श्रीमती कुसुम महावीरप्रसाद जैन, सोनीपत	92515 74016
महामंत्री : श्रीमती रीचा संदीप जैन, लुधियाना	79737 96548
कोषाध्यक्षा : श्रीमती उर्मिल नरेश जैन, दिल्ली	92504 18306

प्रांतीय अध्यक्ष

श्री प्रकाश बुरड़ जैन (कर्नाटक - ज़ोन 1)	98456 71449
श्री विनोद कुमार कीमती जैन (तेलंगाना - ज़ोन 1)	98490 11350
श्री बी. धर्मीचन्द जैन (तमिलनाडु - ज़ोन 1)	94444 31536
श्री अनिल जैन (पंजाब - ज़ोन 2)	98141 40491
डॉ. श्री रामनिवास जैन (हरियाणा - ज़ोन 2)	92541 19621
श्री कीमतीलाल जैन (उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड - ज़ोन 2)	97203 57112
श्री जितेन्द्र जैन (दिल्ली - ज़ोन 2)	98100 62967
श्री आनंद चपलोत जैन (राजस्थान - ज़ोन 3)	94609 66507
श्री हुलास बेताला जैन (मध्य प्रदेश - ज़ोन 3)	96696 97797
डॉ. आनंद मेहता जैन (पश्चिम बंगाल - ज़ोन 3)	98302 49151
श्री मोहनलाल लोढ़ा जैन (महाराष्ट्र-ज़ोन 4)	94222 50478
श्री नितिन बेदमुथा जैन (मुंबई-पुणे - ज़ोन 5)	93710 75787
श्री सम्पत खाबिया जैन (गुजरात - ज़ोन 5)	98250 47321

राष्ट्रीय मंत्री

श्री कन्हैयालाल सुराणा जैन, बैंगलोर	93412 21774
श्री सम्पतराज कोठारी जैन, सिकन्दराबाद	92461 58452
श्री सुरेश गादिया जैन, चेन्नई	98402 00916
श्री राजेन्द्र बोहरा जैन, चेन्नई	98406 00003
श्री अरूण कुमार जैन, लुधियाना	98155 66885
श्री रवीन्द्र जैन, पानीपत	98960 92861
श्री नितिन जैन, बड़ौत	99993 99382
श्री नरेश जैन 'रिंढ़ाना', दिल्ली	98100 66701
श्री दिलीप रूणवाल जैन, दिल्ली	98112 05545
श्री दिनेश एम. सुराणा जैन, दिल्ली	93100 54428
श्री नरेश लोढ़ा जैन, उदयपुर	93222 56788
डॉ. सुधीर जैन, कोटा	94141 79700
श्री जिनेश्वर जैन, इन्दौर	99818 50900
श्री राजेन्द्र लोढ़ा जैन, इन्दौर	94250 62147
श्री मीठालाल कांकरिया जैन, छत्रपति संभाजीनगर	98226 71574
श्री वसंत लोढ़ा जैन, अहिल्यानगर	94212 05000
श्री पारस दुग्गड़ जैन, धुलिया	94231 93447
श्री कैलाश प्रकाश बाफना जैन, छत्रपति संभाजीनगर	93726 66999
श्री सुरेश सिंघवी जैन, मुंबई	98212 87789
श्री विलास राठौड़ जैन, पुणे	98901 74007
श्री आकाश मादरेचा जैन, सूरत	94287 45537

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार मंत्री

श्री दीपक जैन, दिल्ली	93508 70065
श्री संजय जैन 'निशा', लुधियाना	94172 53101
श्री नेमीचंद सोलंकी जैन, पुणे	93710 89896
श्री संदीप जैन 'सन्नी', जम्मू	94191 90527
श्री महेन्द्र जैन, सवाई माधोपुर	94626 72015

राष्ट्रीय संगठन मंत्री

श्री जयप्रकाश ललवानी जैन, चेन्नई	99412 45660
श्री संजीव जैन 'आनंदम्', दिल्ली	93122 40901
श्री नितिन चोपड़ा जैन, पुणे	98224 07446
श्री प्रकाश कोठारी जैन, खार, मुंबई	98200 83919
श्री त्रिलोक जैन, दिल्ली	98681 06607

प्रांतीय महामंत्री

श्री नेमीचंद दलाल जैन (कर्नाटक)	99649 72251
श्री किशोर कुमार मुथा जैन (तेलंगाना)	92473 99003
श्री एम. राजेशकुमार रांका जैन (तमिलनाडु)	99949 16455
श्री पंकज जैन (पंजाब)	98150 00791
श्री संजय जैन (हरियाणा)	98130 50937
श्री अनुराग जैन (उत्तर प्रदेश)	98371 09567
श्री ललित ओसवाल जैन (दिल्ली)	98111 38968
श्री लोकेश धाकड़ जैन (राजस्थान)	98280 50143
श्री पीयूष जैन (मध्य प्रदेश)	94254 00121
श्री राजेश कुमार भुरट जैन (पश्चिम बंगाल)	93310 09391
श्री शांतिलाल इंदरचंद दुग्गड़ जैन (महाराष्ट्र)	98220 79225
श्री गणेश ओसवाल जैन (मुंबई-पुणे)	99218 79613
श्री विनोद कुमार धोका जैन (गुजरात)	94279 30764

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार समिति

एडवोकेट श्री नरेश कुमार जैन, रानियां	90504 00009
एडवोकेट श्री सुनील जैन, चण्डीगढ़	98141 90422
एडवोकेट श्री नवीन जैन, पानीपत	90347 19097

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार समिति

सदस्य : श्री संजय ताराचंद कोटेचा जैन, जलगांव	99237 11711
सदस्य : श्री संजय बोहरा जैन, मुंबई	98339 57170
सदस्य : श्री अतुल चोरड़िया जैन, वाघोली, पुणे	80876 35657
सदस्य : श्री रवि जैन, दिल्ली	99996 10010
सदस्य : श्री रमेश कुमार जैन, 'शास्त्री' जीन्द	92554 30824

वरिष्ठ मार्गदर्शक

श्री प्रेमचंद जैन, गुरुग्राम (हरियाणा)	92113 08367
श्री जसवंत दलाल जैन, बैंगलोर (कर्नाटक)	98863 88021
श्री शांतिलाल पोखरणा, बैंगलोर (कर्नाटक)	98451 55799
श्री महावीरचंद भण्डारी जैन, चेन्नई (तमिलनाडु)	98401 96758
श्री विमल धारीवाल जैन, चेन्नई (तमिलनाडु)	94433 32330
श्री पदमचंद बागमार जैन, चेन्नई (तमिलनाडु)	94440 77990
श्री अरिदमन जैन, लुधियाना (पंजाब)	95012 33866
श्री जतिन्द्र जैन, लुधियाना (पंजाब)	98559 39174
श्री विश्वा जैन, लुधियाना (पंजाब)	98140 88391
श्री राजेश जैन, लुधियाना (पंजाब)	98761 71831
श्री अजय जैन, पानीपत (हरियाणा)	94161 22219
श्री जगदीशचन्द्र जैन, पानीपत (हरियाणा)	98962 00081
श्री जगदीश जैन, रोहतक (हरियाणा)	93556 71998
श्री राजिन्द्र जैन, पानीपत (हरियाणा)	99963 33388
श्री राजीव जैन, पानीपत (हरियाणा)	98122 00002
श्री राहुल जैन, करनाल (हरियाणा)	99927 33822
श्री संदीप जैन, सिरसा (हरियाणा)	92157 37705
श्री मनमोहन जैन, मुज़फ्फरनगर (उत्तद प्रदेश)	98370 67082
श्री सुशील जैन, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)	98100 78214
श्री पारस जैन, मेरठ (उत्तर प्रदेश)	99270 62009
श्री जयप्रकाश जैन, बड़ौत (उत्तर प्रदेश)	99974 55741
श्री अनिल जैन 'बखेता', रोहिणी, दिल्ली	93124 33320
श्री राजकुमार जैन, रोहिणी, दिल्ली	98112 52316
श्री विजय जैन, रोहिणी, दिल्ली	99994 73873
श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, रोहिणी, दिल्ली	98371 74345
श्री देवेन्द्र जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	99716 65599
श्री सत्यनारायण जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	92158 99904
श्री प्रदीप जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	99999 97513
श्री रोशनलाल जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	98100 50467
श्री सतपाल जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	98102 64999
श्री अशोक जैन 'जयचंदा' ऋषभ विहार, दिल्ली	93109 89999
श्री भूपेन्द्र जैन, अशोक विहार, दिल्ली	98110 16545
श्री लवकुमार जैन, वीरनगर, दिल्ली	88266 72626
श्री नरेश जैन, पंजाबी बाग, दिल्ली	98111 30285
श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, शक्तिनगर, दिल्ली	98100 21710
श्री राजकुमार जैन, शास्त्रीनगर, दिल्ली	98114 04140
श्री मदनलाल जैन 'शामडी', प्रशांत विहार, दिल्ली	98737 76896
श्री पंकज जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली	88600 98595
श्री संजय जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली	98187 25000
श्री चक्रेश जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली	98112 33462
श्री बजरंगलाल जैन, दिल्ली	93122 62192
श्री अशोक पालरेचा जैन, ब्यावर (राजस्थान)	94601 71190
श्री ज्ञानचंद विनायकिया जैन, ब्यावर (राजस्थान)	98140 10385
श्री महावीर कुमार बाफना जैन, ब्यावर (राजस्थान)	94147 38976
श्री गौतम संचेती जैन, ब्यावर (राजस्थान)	94142 58370
श्री मांगीलाल लोढ़ा जैन, उदयपुर (राजस्थान)	88753 26779
श्री शंकरलाल डांगी जैन, उदयपुर (राजस्थान)	94628 83336
श्री दिनेशचन्द्र चोरड़िया जैन, उदयपुर (राजस्थान)	94141 66639
श्री सिद्धराज सिंघवी जैन, निम्बाहेड़ा (राजस्थान)	98298 86701
श्री भूपेन्द्र सिंह पगारिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94146 17494
श्री पकंज कुमार सूरिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94141 11902
श्री मीठालाल सिंघवी जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94141 12134
श्री दीपक कुमार सूरिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	98293 47007
श्री राजेन्द्र गोखरू जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94141 84005
श्री मनमोहन गांधी जैन, पाली (राजस्थान)	94143 26293
श्री अम्बालाल लोढ़ा जैन, राजसमन्द (राजस्थान)	98290 40800
श्री अभय पोखरणा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	98930 33345
श्री अचल चौधरी जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	98260 20161
श्री अनिल बरड़िया जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	93021 22995
श्री हेमंत बोहरा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	94074 13922
श्री राजकुमार जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	94253 19691
श्री सुरेश देशलहरा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	98270 31960
श्री सुभाष विनायकिया जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	96302 55540
श्री चन्द्रप्रकाश चोरड़िया जैन, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	73662 31275
श्री इन्द्रमल पटवा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश)	98272 28737
श्री महेन्द्र बोथरा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश)	98270 06500
श्री सुजानमल कोटेचा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश)	98272 08682
श्री रवि सुराणा जैन, झाबुआ (मध्य प्रदेश)	94251 01014
श्री यशवंत सिंह बाफना जैन, झाबुआ (मध्य प्रदेश)	94254 87623
श्री शांतिलाल चोरड़िया जैन, नाशिक (महाराष्ट्र)	98909 52621
श्री संतोष मंडलेचा जैन, नाशिक (महाराष्ट्र)	99234 78889
श्री शोभाचंद संचेती जैन, छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)	94051 07851
श्री हसमुख बंबकी जैन, रत्नागिरी (महाराष्ट्र)	94224 29611
श्री जीवनराज पुनमिलया जैन, इचलकरंजी (महाराष्ट्र)	92258 31765
श्री हीरालाल पगारिया जैन, अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)	
श्री चतरलाल लोढ़ा जैन, मुंबई (महाराष्ट्र)	98201 11839
श्री महावीरचंद तातेड़, मुंबई (महाराष्ट्र)	98699 09374
श्री पन्नालाल कोठारी जैन, मुंबई (महाराष्ट्र)	
श्री पारस छाजेड़ जैन, मुंबई (महाराष्ट्र)	98212 20220
श्री कांतिलाल बोथरा जैन, पुणे (महाराष्ट्र)	87882 35525
श्री पोपटलाल ओस्तवाल जैन, पुणे (महाराष्ट्र)	98230 81825
श्री सुभाष सुराणा जैन, पुणे (महाराष्ट्र)	97662 90002
श्री ओमप्रकाश मांडोत जैन, अंकलेशवर (गुजरात)	99250 20407
श्री प्यारचंद कोठारी जैन, सूरत (गुजरात)	93745 35686
श्री चांदमल छाजेड़ जैन, मेहसाना (गुजरात)	98241 62334
श्री विनोद कुमार सूर्या जैन, खेड़ब्रह्मा (गुजरात)	93277 57610
श्री हीरालाल खाबिया जैन, अहमदाबाद (गुजरात)	94270 31776
श्री चांदमल छाजेड़ जैन, मेहसाना (गुजरात)	98241 62334
श्री जयंतिलाल कोठारी जैन, अहमदाबाद (गुजरात)	

समाजरत्न दानवीर भामाशाह
लाला आनन्द प्रकाश जी जैन
महिलारत्न
स्व. श्रीमती कमलेश आनन्द प्रकाश जी जैन

देश में विराजित पूज्य संत-साध्वीजी म. के पावन चरणों में
कोटि-कोटि वंदन एवं श्रद्धापूर्ण नमन

NAMO eWaste
Namo e waste Management Ltd.
E waste & lithium in battery recycling
EPR facility
8130393628 admin@namoewaste.com

Vardhman Recycling LLP
Old vehicles recycling with certificate of disposal
Plastic recycling EPR facility
8130393611 vardhmanautorecycling@gmail.com

नरेश आनन्दप्रकाश जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष
ज्ञान प्रकाश योजना, जैन कॉन्फ्रेंस

रचना नरेश जैन
राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक
जैन कॉन्फ्रेंस, राष्ट्रीय महिला शाखा

श्रमण संघ की आचार्य परम्परा

– प्रमुख मंत्री श्री शिरीष मुनि जी म.सा.

(गतांक से आगे)

आपके सान्निध्य में सन् 2015 में इन्दौर सम्मेलन हुआ, जिसमें वर्तमान युवाचार्य महेन्द्रऋषि जी म.सा. को मनोनित किया गया। जो आचार्यश्री जी के दिशा-निर्देशन में देशभर में विचरण कर संघ को संगठित करते हुए धर्म जागरणा में संलग्न है। श्रमण संघ के अमृत महोत्सव पर प्रत्येक तीर्थवासी निम्न सूत्रों के आधार पर आगे बढ़ेगा तो हमारे जीवन में अमृत बहेगा और हम सभी अमरता की ओर आगे बढ़ेंगे।

अभेद दृष्टि : प्रत्येक तीर्थवासी परस्पर मैत्री भाव के साथ अभेद दृष्टि का विकास करें अर्थात् सभी को अपनी आत्मा के समान समझें। 'सोऽहं' को जीवन में घटित करें। न कोई छोटा, न कोई बड़ा। आत्म दृष्टि से हम सब समान हैं। प्रत्येक एक - दूसरे का सम्मान करें।

गुण दृष्टि : निश्चय में प्रत्येक जीव में अष्टगुणों की सम्पदा है - सभी एक दूसरे के गुणों की अनुमोदना करें। गुण दृष्टि सम्यक् दृष्टि है। दोष दृष्टि मिथ्या दृष्टि है। अतः किसी की वृत्तियों को महत्त्व न देकर उसके गुणों को उजागर करें।

त्याग-वैराग्य भाव की वृद्धि : तीर्थ का आधार त्याग, वैराग्य व वीतरागता है। हम किसी व्यक्ति, वस्तु व स्थान के राग में न फँसे, हर समय हमें अपना लक्ष्य ध्यान में रहे, "मैं तीर्थ में राग से मुक्त होने के लिए आया हूँ।" राग जितना बढ़ेगा उतना कर्म का संसार बढेगा, कर्म क्षय के लिए मैं सदैव मिथ्यात्व, मोह के त्याग के लिए संकल्पबद्ध होकर पुरुषार्थ करूंगा व सदैव यह भान रहेगा कि मैं जीवात्मा हूँ। मेरे पास, मेरे अलावा, मेरा कुछ नहीं है अर्थात् एक पुद्गल भी मेरा नहीं और अनंत जीवों में से एक जीव भी मेरा नहीं है। मैं जीव अकेला था, अकेला ही आया और अकेला ही यहाँ से जाऊँगा। एकत्व भावना को जीवन में सदैव स्मरण रखें व उसे भावित करें।

"आप अकेला अवतरे, मरे अकेला होय,
यो कबहूं या जीव को, साथी सगो न कोय"

निश्चय धर्म : धर्म के शुद्ध स्वरूप का प्रतिपादन व आत्मसात केवली प्ररूपित धर्म ही धर्म है। केवली भगवान ने तत्व का बोध करवाया। पदार्थ का स्वभाव ही धर्म है। "वत्थु सहावो धम्मो" मैं जीवात्मा हूँ - जीव का धर्म है - ज्ञाता दृष्टा भाव। उपयोग जीव का लक्षण है - ज्ञान और दर्शन ये दो उपयोग है।

व्यवहार धर्म : व्यवहार में शरीर, मन व इन्द्रियों को वश में रखने के लिए पाँच महाव्रत, बारह अणुव्रत, पाँच समिति, तीन गुप्ति, 12 भावनाओं का चिन्तन आदि। 12 प्रकार के तप से कर्म निर्जरा करते हुए 9 तत्वों को गहराई से समझकर आर्त्त-रौद्र का त्याग कर, धर्म से शुक्ल ध्यान की ओर बढ़ना होगा।

ज्ञान-ध्यान : प्रत्येक तीर्थवासी अपने जीवन के बहुमूल्य समय को ज्ञान व ध्यान में लगाएं, जिससे समय का सदुपयोग हो सकेगा।

स्मृति शेष श्रद्धांजलि

महासाध्वी श्री मधुबाला जी म.सा. का देवलोक गमन

पानीपत (हरियाणा) : शासन प्रभाविका उप-प्रवर्तिनी महसाध्वी श्री कैलाशवती जी म.सा. की पौत्र शिष्या एवं संथारा साधिका उपप्रवर्तिनी महासाध्वी श्री कुसुमप्रभा जी म.सा. की सुशिष्या सरलमना, वात्सल्यमूर्ति पू. महासाध्वी श्री मधुबाला जी म. सा. का शनिवार ४ अप्रैल को पानीपत में देवलोक गमन हो गया। श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के राष्ट्रव्यापी परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

श्रीमती चन्द्रलेखा जैन का स्वर्गवास

पीतमपुरा, दिल्ली : श्रीमती चन्द्रलेखा जैन 'बी.ए.' धर्मपत्नी श्री सुलेख जैन निवासी पीतमपुरा का 24 मार्च 2026 को सांय 4 बजे स्वर्गवास हो गया। वे एक धर्मपरायणा सुश्राविका, मधुरभाषी, शांत स्वभावी थी। साधु-साध्वियों के आहार-पानी का ध्यान रखना और बच्चों को अच्छे संस्कार प्रदान करते हुए वे सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहती थी। जैन कॉन्फ्रेंस परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि।

भोसरी में अंध बच्चों के स्कूल में भोजन वितरण का आयोजन

भोसरी (महाराष्ट्र) : प्रभु महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस पंचम ज़ोन महिला शाखा अध्यक्षा श्रीमती कल्पना कर्नावट जैन, महामंत्री श्रीमती सुनिता चोरड़िया जैन, प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती आशा खिंवसरा जैन तथा कार्यकारणी सदस्या श्रीमती अनिता नहार जैन, श्रीमती सुशीला बोथरा जैन, श्रीमती सुरेखा सांकला जैन, श्रीमती कल्पना रांका जैन, श्रीमती लीना कटारिया जैन, श्रीमती प्रमिला कर्नावट जैन ने मिलकर श्रीमती पताशीबाई रतनचंद मानव कल्याण ट्रस्ट, भोसरी के अंध बच्चो की स्कूल मे, बच्चों के लिए भोजन का आयोजन किया गया। भोजन के साथ-साथ बच्चों को अंगूर, राजगिरा लड्डू, चिक्की का भी वितरण किया गया। सभी अंध, अपंग बच्चों ने खाना, खाने के पहले नवकार महामंत्र का पाठ किया। स्कूल में लगभग 80 बच्चे मौजूद थे।

प्रेषक : कल्पना कर्नावट जैन

(पृष्ठ 1 का शेष 'सम्पादकीय')

राजस्थान (चित्तौड़गढ़-मेवाड़) में खटीक समुदाय के लोगों ने जैन संत श्री समीरमुनि जी महाराज की प्रेरणा और प्रयासों से हिंसा-आधारित जीवन से हटकर जैन धर्म को अपनाया। इस समुदाय के लोगों को जैन धर्म अपनाने पर वीरवार जैन का उद्बोधन दिया गया।

इसी श्रृंखला में राजस्थान में ही आचार्य श्री जवाहरलाल जी महाराज ने अहिंसा अभियान चलाकर तथा कालांतर में उन्हीं के परंपरागत आचार्य श्री नानालाल जी महाराज ने मेवाड़ के क्षेत्र में विचरण करके दलित वर्ग के लोगों को धर्मपाल का उद्बोधन देकर जैन धर्म से जोड़ा।

बिहार-झारखंड-उड़ीसा आदि प्रदेशों में सराक समुदाय ऐतिहासिक रूप से जैन परंपरा से जुड़ा रहा है जो कि आज भी शाकाहार में गहन आस्था रखता हुआ जैन धर्म के तीर्थंकरों की सैकड़ों प्रतिमाओं को हजारों वर्षों से आज तक सुरक्षित रखे हुए हैं जिनकी संख्या भी लाखों में है।

गुजरात के छोटा उदयपुर-बड़ोदरा आदि लोकसभा क्षेत्र के सैकड़ों गाँव में बसे हुए परमार क्षत्रिय (अनुसूचित जनजाति) वर्ग के लाखों लोगों ने जैन धर्म स्वीकार किया तथा इन समुदाय के सैकड़ों लोगों ने जैन साधु एवं साध्वी से दीक्षाएं भी ग्रहण की हुई हैं।

इन परिवर्तनों का महत्व केवल धार्मिक नहीं है। यह एक नैतिक और सामाजिक पुनर्जागरण का संकेत है। जिन समुदायों को सदियों से सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा, उन्होंने जैन धर्म के माध्यम से आत्म-सुधार, अहिंसा और आत्मसम्मान का मार्ग चुना।

वर्तमान निर्णय का संभावित प्रभाव : सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इन समुदायों के सामने एक गंभीर द्वंद्व उत्पन्न करता है।

1. धर्म बनाम अधिकार का संकट - यदि कोई व्यक्ति जैन धर्म अपनाता है, तो उसे अपने संवैधानिक संरक्षण (आरक्षण, सामाजिक सुरक्षा) खोने का भय रहता है। यह स्थिति उसे अपने आध्यात्मिक निर्णय पर पुनर्विचार करने को बाध्य कर सकती है।

2. जैन धर्म के प्रसार पर प्रभाव - यह संभावना है कि नए लोग जैन धर्म अपनाने से हिचकिचाएँगे। वर्तमान अनुयायी सामाजिक-आर्थिक दबाव में धर्म परिवर्तन वापस लेने को विवश हो सकते हैं।

3. सामाजिक न्याय बनाम विधिक संरचना - यह निर्णय यह प्रश्न भी उठाता है कि क्या वर्तमान विधिक ढांचा सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप है? यदि कोई व्यक्ति जैन धर्म अपनाने के बाद भी सामाजिक भेदभाव का सामना करता है, तो क्या उसे केवल धर्म के आधार पर संरक्षण से वंचित करना न्यायसंगत है?

मौलिक अधिकारों का प्रश्न - भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता प्रदान करता है-अर्थात् वह किसी भी धर्म को मान सकता है, उसका प्रचार कर सकता है। परंतु जब इस स्वतंत्रता का प्रयोग करने पर व्यक्ति अपने अन्य अधिकारों (जैसे आरक्षण) से वंचित हो जाता है, तो यह एक व्यावहारिक बाधा उत्पन्न करता है।

इस संदर्भ में यह तर्क उभरता है कि : क्या धर्म परिवर्तन की स्वतंत्रता वास्तव में स्वतंत्र है, यदि उसके साथ सामाजिक सुरक्षा का ह्रास जुड़ा हो?

आवश्यक विमर्श और समाधान - यह विषय केवल न्यायालय के दायरे तक सीमित नहीं है, यह विधायिका और समाज दोनों के लिए चिंतन का विषय है। संभावित समाधान निम्न हो सकते हैं -

- संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 की पुनर्समीक्षा।
- धर्म के बजाय सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को आधार बनाना।
- जैन धर्म जैसे अहिंसक और सुधारवादी मार्ग को अपनाने वालों के लिए विशेष नीति बनाना।

जैन धर्म का मूल संदेश है - 'जीओ और जीने दो'। यदि समाज के वंचित वर्ग इस सिद्धांत को अपनाकर अपने जीवन को नैतिकता और अहिंसा की दिशा में ले जाते हैं, तो यह राष्ट्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है क्योंकि जैन धर्म के अपनाने वाले तो एक विशेष जैन जीवनशैली को अपनाते हैं कहीं भी उनके मन में कट्टरता या अपने मूल समुदाय के प्रति दुर्भावनाओं के संस्कार नहीं भरे जाते।

परंतु यदि विधिक ढ़ांचा उन्हें इसके लिए दंडित करता प्रतीत हो, तो यह स्थिति गंभीर पुनर्विचार की मांग करती है। आज आवश्यकता है एक ऐसे संतुलन की, जहाँ संवैधानिक प्रावधान, सामाजिक न्याय और धार्मिक स्वतंत्रता-तीनों का समन्वय संभव हो सके। अन्यथा, यह आशंका निराधार नहीं कि भविष्य में जैन धर्म अपनाने वाले अनेक लोग अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने को विवश होंगे।

प्रमाद से प्रमोद

सजग जीवन की साधना

पुस्तक से साभार

लेखक-गुरुभक्त अतुल जैन

(गतांक से आगे)

अध्याय 13

जिम्मेदारी से बोझ तक की यात्रा (गहन विस्तार)

जिम्मेदारी जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। पर वही जिम्मेदारी कब बोझ बन जाती है, यह व्यक्ति अक्सर देर से समझ पाता है। जिम्मेदारी सजगता में निभाई जाए तो वह सेवा है। अहंकार में निभाई जाए तो वह बोझ है। इस अध्याय में हम उस सूक्ष्म यात्रा को समझेंगे जहाँ कर्तव्य धीरे-धीरे तनाव में बदल जाता है।

1. जिम्मेदारी का स्वस्थ स्वरूप : जब व्यक्ति अपने दायित्व को स्वीकार करता है बिना पहचान जोड़े, तो जिम्मेदारी हल्की होती है। वह करता है क्योंकि करना आवश्यक है। न कि इसलिए कि उसे सिद्ध होना है। ऐसी जिम्मेदारी में 'शांति बनी रहती है', 'परिणाम से अत्यधिक जुड़ाव नहीं होता', 'दूसरों को भी स्थान दिया जाता है', 'भीतर विश्वास रहता है', यह सजग कर्म है।

2. बोझ की शुरुआत : जिम्मेदारी बोझ कब बनती है? जब व्यक्ति सोचता है-"सब कुछ मुझ पर निर्भर है।" "यदि मैं चूक गया तो सब बिगड़ जाएगा।", "मुझे हर परिस्थिति नियंत्रित करनी है।", यहाँ जिम्मेदारी के भीतर भय प्रवेश कर जाता है। भय से किया गया कर्म तनाव उत्पन्न करता है।

3. पहचान का जुड़ाव : जब व्यक्ति अपनी पहचान को अपने दायित्व से जोड़ लेता है, तभी बोझ गहराता है। "मैं सफल हूँ क्योंकि यह सफल है।", "मैं असफल हूँ क्योंकि यह असफल है।" यहाँ कर्म और अस्तित्व एक हो जाते हैं। यह जुड़ाव अस्थिरता लाता है। क्योंकि परिणाम स्थिर नहीं होते।

4. नियंत्रण का विस्तार : जिम्मेदारी से बोझ बनने की दूसरी सीढ़ी है-नियंत्रण। व्यक्ति केवल अपना कार्य नहीं करता, वह दूसरों के कार्यों में भी हस्तक्षेप करता है। वह सबकी दिशा तय करना चाहता है। वह स्वतंत्रता देने से डरता है। यह भय है-नियंत्रण खोने का।

5. शरीर में बोझ : जब जिम्मेदारी बोझ बनती है, तो शरीर संकेत देता है। छाती में दबाव। कंधों में भारीपन। नाभि में तनाव। श्वास का उथला होना। कंधों का झुक जाना भी एक प्रतीक है-कि व्यक्ति सब उठाए हुए है।

6. त्याग का भ्रम : कभी व्यक्ति कहता है-"मैं सबके लिए कर रहा हूँ।" पर भीतर देखें तो वहाँ अपेक्षा छिपी हो सकती है। यदि उसे मान्यता न मिले, तो वह आहत हो जाता है। यह संकेत है कि जिम्मेदारी शुद्ध नहीं थी। वह अहंकार से मिश्रित थी।

7. माध्यम बनाम स्वामी : जिम्मेदारी हल्की तब रहती है जब व्यक्ति स्वयं को माध्यम अनुभव करता है। वह करता है, पर परिणाम को पकड़ता नहीं। वह दिशा देता है, पर नियंत्रण नहीं थोपता। वह उपस्थित रहता है, पर बोझ नहीं उठाता। यह दृष्टि परिवर्तन जिम्मेदारी को पुनः हल्का बना देता है।

8. आत्म-जांच : अपने जीवन के प्रमुख क्षेत्रों को देखें-कार्य परिवार संगठन साधना प्रश्न करें : क्या यह जिम्मेदारी मुझे हल्का कर रही है? या मुझे दबा रही है? यदि दबाव है, तो कहीं न कहीं पहचान जुड़ी हुई है।

9. समर्पण का महत्व : जिम्मेदारी से बोझ तक की यात्रा वहीं रुकती है जहाँ समर्पण प्रारंभ होता है। समर्पण का अर्थ त्याग नहीं है। समर्पण का अर्थ है-"मैं पूर्ण नियंत्रक नहीं हूँ।" "जीवन की धारा मुझसे बड़ी है।" यह स्वीकृति भीतर का दबाव कम करती है।

10. अंतिम स्पष्टता : जिम्मेदारी आवश्यक है। बोझ अनावश्यक है। जब जिम्मेदारी पहचान से मुक्त होती है, तो वह सेवा बनती है। जब पहचान जुड़ जाती है, तो वही जिम्मेदारी प्रमाद का कारण बन जाती है। अगले अध्याय में हम देखेंगे-नियंता भाव कैसे जन्म लेता है और जीवन को कठोर बना देता है।

(क्रमशः)

महावीर जन्म कल्याणक पर जैन कॉन्फ्रेंस दिल्ली प्रदेश की जीवदया योजना के अन्तर्गत गौशाला में मूक प्राणियों की सेवा कार्य

नई दिल्ली : जैन कॉन्फ्रेंस की जीवदया योजना के अन्तर्गत रिठाला गांव, दिल्ली गौशाला में अनेक समाजसेवियों की उपस्थिति में मूक प्राणियों की सेवा का कार्य आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गौशाला में 29 मार्च 2026 की प्रातः वेला में लगभग 7:00 बजे पहुँचकर सभी ने गौसेवा के पुनीत कार्य में भाग लिया, जिसके अन्तर्गत गौशाला में गायों को हरा चारा, खांड, आटा, केले एवं अन्य खाने का सामान सभी ने अपने हाथों से गायों को खिलाते हुए आनन्द के क्षणों को अनुभूत किया।

इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेंद्र जैन, महामंत्री श्री ललित ओसवाल जैन, जीवदया योजना के अध्यक्ष श्री सुधीर ओसवाल जैन, दिल्ली प्रदेश महिला समिति अध्यक्षा श्रीमती शीला जैन, अहिंसा विहार श्रीसंघ अध्यक्ष श्री हेमचन्द जैन, महामन्त्री श्री अमित जैन, कोषाध्यक्ष श्री आशीष जैन, श्री नरेश जैन, श्री अजय जैन, श्रीमती संगीता ओसवाल, श्रीमती राखी जैन, श्रीमती डॉली जैन, श्रीमती शेफाली जैन, श्रीमती मीनू जैन आदि अनेक समाजसेवियों ने गौशाला में उल्लेखनीय सेवाएँ प्रदान करते हुए जीवन कर्मों में पुण्यदायी पलों को आत्मसात किया। इस अवसर पर पधारने वाले सभी साथियों व बहनों ने ऐसे आयोजनों की निरन्तरता बनाए रखने पर जोर दिया।

प्रेषक : ललित ओसवाल जैन

मुजफ्फरनगर में भगवान महावीर जन्म कल्याणक प्रभात फेरी का आयोजन

मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) : भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रभातफेरी का आयोजन किया गया, जो कि सादगीपूर्ण तरीके से भगवान महावीर के भजन गाते हुए जैन कॉन्फ्रेंस उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री कीमतीलाल जैन के नेतृत्व में एस.एस. जैन सभा सिद्धार्थ कॉलोनी जैन स्थानक से महावीर चौक होते हुए वापस जैन स्थानक पर आकर पूर्ण हुई।

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक युवा शाखा ने 42 मासूम बछड़ों को कसाइयों से बचाकर गौशाला में सुरक्षित किया

के.जी.एफ. (कर्नाटक) : श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की कर्नाटक प्रांतीय युवा शाखा द्वारा KGF गौशाला में आयोजित जीवदया कार्यक्रम के अंतर्गत 42 मासूम बछड़ों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पुलिस प्रशासन एवं अन्य जीवदया प्रेमी संस्थाओं के साथ मिलकर कसाइयों से बचाकर सुरक्षित रूप से सौंपा गया। इस पुण्य कार्य का नेतृत्व दीपक भाई भंडारी एवं उनकी समर्पित टीम ने किया, जिन्होंने जीवों के प्रति दया, संवेदना और सेवा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि अहिंसा और जीवदया के मूल सिद्धांतों को जीवन में उतारने का प्रेरणादायक प्रयास है। 'जीवदया ही सच्चा धर्म है'

तमिलनाडु युवा शाखा ने आंगुतकों के लिए लगाया जूस काउंटर

चेन्नई (तमिलनाडु) : भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के शुभ प्रसंग पर जैन दादावाड़ी चेन्नई में आयोजित भव्य समारोह में श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस तमिलनाडु युवा शाखा ने आगंतुकों के लिए सेवार्थ फल जूस काउंटर लगाया। प्रांतीय युवा अध्यक्ष श्री मनीष रांका जैन सहित युवा साथियों ने सेवा लाभ का लिया।

उदयपुर में मानव सेवा योजना द्वारा रोगियों हेतु निःशुल्क भोजन व्यवस्था

उदयपुर (राजस्थान) : महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय एवं रविंद्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज उदयपुर में स्थित मानव सेवा योजना में रोगियों के परिजनों को निःशुल्क प्रतिदिन दोनों समय भोजन व्यवस्था की जाती है। प्रातःकालीन भोजन व्यवस्था श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्राविका संघ उदयपुर महानगर की तरफ से की गई। इन सेवाओं में प्रतिदिन राष्ट्रीय महिला मंत्री श्रीमती सूरज जैन एवं मीडिया संचार योजना राष्ट्रीय मंत्री लक्ष्मीलाल वीरवाल जैन ने सेवाएं दी। इसमें जैन कॉन्फ्रेंस के सदस्यों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है तथा यह सेवा प्रतिदिन रोगियों को निःशुल्क प्रदान की जाती है।

जालंधर में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

जालंधर (पंजाब) : जालंधर में भगवान महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा (पंजाब जोन-2) द्वारा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस सेवाकार्य में युवाओं एवं समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया और 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया।

जैन कॉन्फ्रेंस की सदस्यता एवं जैन कॉन्फ्रेंस की विविध योजनाओं के फॉर्म के लिए स्कैन करें :

जैन कॉन्फ्रेंस आजीवन सदस्यता फॉर्म

जीवन प्रकाश योजना उच्च शिक्षा सहायता फॉर्म

जीवन प्रकाश योजना चिकित्सा सहायता फॉर्म

मानव सेवा योजना (विधवा पेंशन) फॉर्म

जीवदया योजना फॉर्म

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की राष्ट्रीय संविधान संशोधन समिति द्वारा तैयार किये गये प्रस्तावित संशोधित संविधान का प्रारूप

पूर्व से लागू संविधान

10. विश्वस्त मण्डल (बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज) :

(क) गठन : वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष पन्द्रह (15) सदस्यीय विश्वस्त मण्डल का निम्नलिखित अनुसार गठन करेंगे। इस विश्वस्त मंडल का कार्यकाल चार (4) वर्ष का रहेगा। इस विश्वस्त मण्डल का एक चेयरमैन रहेगा। चेयरमैन का चुनाव विश्वस्त मंडल के सदस्य ही करेंगे।

(अ) वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	3
(आ) जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व पदाधिकारियों में से वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत	4
(इ) वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत प्रत्येक जोन से एक	5
(ई) वर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा द्वारा नियुक्त	3
कुल	15

(ख) कामकाज :

(अ) जैन कॉन्फ्रेंस की अचल सम्पत्ति, 12 शहीद भगत सिंह मार्ग-नई दिल्ली स्थित जैन भवन तथा सभी अचल सम्पत्तियों एवं उनके दस्तावेजों को सुरक्षा प्रदान करना।

(आ) राष्ट्रीय प्रबंध समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा पारित अचल सम्पत्तियों के क्रय-विक्रय प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करके अंतिम निर्णय लेकर आगे की कार्यवाई करने के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय महामंत्री को निर्देशित करना।

(इ) अचल सम्पत्तियों के मरम्मत एवं देखरेख आदि कार्य के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष को निर्देश देना।

(ई) स्थाई जमा कोषों को सुरक्षा प्रदान करना। वर्तमान कार्यकाल में जमा कोष के अलावा स्थाई कोष का जब भी उपयोग करना हो तो राष्ट्रीय प्रबंध समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा में पारित प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर अनुमति देगी।

(उ) विवाद एवं मुकदमों की स्थिति में विश्वस्त मंडल किराया एवं अतिथि गृह द्वारा प्राप्त अनुदान/राशि प्राप्त कर सकेगा।

(ऊ) राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के द्वारा बढ़ाये गये छः (6) माह की अवधि के कार्यकाल में भी अगर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न नहीं कराते हैं तो विश्वस्त मंडल कार्य भार संभाल लेगा एवं अगले 6 माह में चुनाव सम्पन्न कराना अनिवार्य होगा। उस दरमियान आर्थिक मामले एवं बैंक खातों का संचालन विश्वस्त मंडल के चेयरमैन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष/राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष करेंगे।

(ए) विश्वस्त मंडल के चेयरमैन, यदि राष्ट्रीय चुनाव समिति में राष्ट्रीय मुख्य चुनाव अधिकारी का पद रिक्त होता है तो राष्ट्रीय सह-चुनाव अधिकारियों में से एक की राष्ट्रीय मुख्य चुनाव अधिकारी के रूप में नियुक्ति करेंगे एवं राष्ट्रीय सह-चुनाव अधिकारी के रिक्त पदों की भी नियुक्ति करेंगे। यदि राष्ट्रीय चुनाव समिति के सभी पद किसी भी कारण से रिक्त हो जाते हैं तो ऐसी आपातकालीन परिस्थिति में विश्वस्त मंडल के चेयरमैन अपनी निगरानी में चुनाव के घोषित तारीख को चुनाव कार्यक्रमानुसार चुनाव सम्पन्न करायेंगे।

(ग) कार्यकाल : विश्वस्त मण्डल का कार्यकाल 4 वर्ष का होगा, परन्तु जब तक नये विश्वस्त मण्डल का गठन नहीं होता तब तक पुराना विश्वस्त मण्डल काम करता रहेगा। नये विश्वस्त मण्डल की नियुक्ति के साथ ही पूर्वकालीन विश्वस्त मण्डल स्वतः भंग माना जायेगा। विश्वस्त मंडल के चेयरमैन जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय प्रबंध समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य रहेंगे। विश्वस्त मंडल में हुए रिक्त स्थान की पूर्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे।

(घ) सूचना : सभा की सूचना 14 दिन पूर्व डाक/ई-मेल/एस. एम. एस./फोन या इलैक्ट्रॉनिक्स मीडिया द्वारा दी जाएगी। किसी कारणवश यदि किसी सदस्य को सूचना नहीं मिलती है तो भी सभा के मानी जाएगी।

(ङ) सभा-अध्यक्षता : विश्वस्त मंडल की वर्ष में कम से कम दो (2) सभा अवश्य होंगी, जिसे विश्वस्त मंडल के चेयरमैन बुलायेंगे एवं उसकी अध्यक्षता भी स्वयं करेंगे। उनकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों में से एक सदस्य अध्यक्षता कर सकेगा।

(च) गणपूर्ति (कोरम) : विश्वस्त मंडल की सभा में उपस्थित सात (7) विश्वस्तों का कोरम होगा। कोरम के अभाव में सभा रद्द मानी जायेगी।

प्रस्तावित संविधान संशोधन :

10. विश्वस्त मण्डल (बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज) :

(क) गठन : वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा तेईस (23) सदस्यों का एक विश्वस्त मण्डल गठित किया जाएगा। उक्त विश्वस्त मण्डल का कार्यकाल गठन की तिथि से पाँच (5) वर्ष का होगा। विश्वस्त मण्डल में से ही एक सदस्य को चेयरमैन के रूप में निर्वाचित किया जाएगा, जिसका चुनाव विश्वस्त मण्डल के सदस्यों द्वारा आंतरिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

(अ) वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	3
(आ) जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व पदाधिकारियों में से वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत	4
(इ) वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत प्रत्येक ज़ोन से एक	5
(ई) वर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा द्वारा नियुक्त	3
(उ) श्रमण संघ के प्रतिनिधि (आचार्यश्री एवं युवाचार्यश्री द्वारा मनोनीत 1-1 सदस्य)	2
(ऊ) विशेष/प्रोफेशनल जैसे एडवोकेट, सी.ए., आर्किटेक्ट आदि	1
(ए) उच्च शिक्षाविद	1
(ऐ) दानदाता प्रतिनिधि (दानराशि-विश्वस्त मण्डल द्वारा निर्धारित)	2
(ओ) जैन दर्शन के विशेष जानकार	1
(औ) महिला प्रतिनिधि	1
कुल	23

नोट: विश्वस्त मंडल के सम्पूर्ण कार्यकाल के अंतर्गत नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विश्वस्त मण्डल के पदेन सदस्य रहेंगे तथा यह संख्या क्रमशः बढ़ती जाएगी।

प्रोटोकॉल : चेयरमैन विश्वस्त मण्डल की सभाओं में प्रथम और राष्ट्रीय परिषद में द्वितीय रहेंगे।

राष्ट्रीय परिषद में वाईस चेयरमैन राष्ट्रीय महामंत्री के बाद तथा संयोजक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के बाद रहेंगे।

(अ), (अ), (इ), (ई), (उ), (ऊ) तथा (ए) यथावत रहेगा।

(ऐ) डिजिटल प्लेटफार्म का निर्माण करना और उसे सुचारू रूप से चलाने हेतु प्रबंध समिति को निर्देश देना और नियमित रूप से संचालित करना।

(ओ) श्रमण संघ एवं जैन कॉन्फ्रेंस के मध्य समन्वय बनाना।

(औ) प्रांतीय जैन भवन, विहारधाम, उच्च शिक्षा संस्थान एवं रिसर्च सेंटर के निर्माण जैसे स्थायी कार्य के सम्बंध में निर्णय लेना, टीम का गठन करना, सहयोग राशि प्राप्त करना तथा सुनियोजित विनियोग करना एवं संचालन हेतु नियम-उपनियम बनाना।

(अं) देशभर में निर्माण होने वाले प्रान्तीय जैन भवन, विहारधाम, जैन कॉन्फ्रेंस मुख्यालय इत्यादि स्थायी स्थलों पर नामकरण हेतु लगने वाले शिलालेख स्थापित करने हेतु नियम बनाना एवं निर्देश देना।

बैंक खाता संचालन :

(अः) (औ) में लिखित कार्य करने हेतु विश्वस्त मण्डल का राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलना, उसका संचालन करने हेतु विश्वस्त मण्डल के चेयरमैन, वाईस चेयरमैन तथा संयोजक इन तीनों में से किसी दो (2) के अधिकृत हस्ताक्षर से खाता संचालित करने के अधिकार विश्वस्त मंडल को होंगे।

चुनाव प्रक्रिया :

नए ट्रस्ट बोर्ड का गठन, पद रिक्त होने अथवा कार्यकाल पूर्ण होने की स्थिति में, अधिकतम तीस (30) दिवस के भीतर किया जाना अनिवार्य होगा। विश्वस्त मण्डल में न्यूनतम पंद्रह (15) सदस्यों की नियुक्ति पूर्ण हो जाने के उपरांत, शेष तीन (3) पदों के निर्धारण हेतु यदि आवश्यक समझा जाए, तो उपस्थित सदस्यों में बहुमत के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।

(ग) कार्यकाल : विश्वस्त मण्डल का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा, परन्तु जब तक नये विश्वस्त मण्डल का गठन नहीं होता तब तक पुराना विश्वस्त मण्डल काम करता रहेगा। नये विश्वस्त मण्डल की नियुक्ति के साथ ही पूर्वकालीन विश्वस्त मण्डल स्वतः भंग माना जायेगा। विश्वस्त मण्डल के चेयरमैन जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय प्रबंध समिति एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य रहेंगे। विश्वस्त मण्डल में हुए रिक्त स्थान की पूर्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे।

(घ) प्रस्तावित संशोधन : यथावत रहेगा।

(ङ) सभा-अध्यक्षता : विश्वस्त मण्डल की वर्ष में कम से कम चार (4) सभा अवश्य होंगी, जिसमें से 2 सभाएं ऑनलाईन, इलैक्ट्रॉनिक्स मीडिया द्वारा की जा सकती है। आपातकालीन स्थिति में 24 घण्टे या उससे कम समय की पूर्व सूचना पर इलैक्ट्रॉनिक्स माध्यमों से बुलाई जा सकती है। जिसे विश्वस्त मण्डल के चेयरमैन बुलायेंगे एवं उसकी अध्यक्षता भी स्वयं करेंगे। उनकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों में वाईस चेयरमैन सभा की अध्यक्षता कर सकेंगे।

(च) गणपूर्ति (कोरम) : विश्वस्त मण्डल की सभा में उपस्थित ग्यारह (11) विश्वस्तों का कोरम होगा। कोरम के अभाव में सभा रद्द मानी जायेगी।

अध्याय - प्रांतीय जैन भवन स्थापना, ट्रस्ट गठन एवं संचालन :

1. उद्देश्य :

राष्ट्रव्यापी संगठन विस्तार, धर्मप्रचार, समाजसेवा, संस्कार निर्माण तथा संत-साध्वी सेवा की पूर्ति हेतु प्रत्येक राज्य में "जैन भवन" की स्थापना की जाएगी।

2. भूमि प्राप्ति :

(क) प्रत्येक राज्य में जैन भवन हेतु भूमि की मांग राष्ट्रीय कार्यालय द्वारा संबंधित राज्य सरकार से की जाएगी।

(ख) भूमि सम्मेलन/अधिकृत केन्द्रीय निकाय के नाम पर प्राप्त की जाएगी।

(ग) भूमि क्रय अथवा प्राप्ति में विशेष आर्थिक सहयोग देने वाले प्रमुख दानदाता को सम्मानार्थ आजीवन चेयरमैन का पद प्रदान किया जाएगा।

3. राष्ट्रीय समिति की संरचना :

राष्ट्रीय समिति का गठन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से सलाह मशविरा करके करेंगे:

योजना राष्ट्रीय अध्यक्ष	1
योजना राष्ट्रीय चेयरमैन	1
योजना राष्ट्रीय मंत्री	1
योजना राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	5
योजना राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	1
योजना राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक	2
योजना सदस्य	4
कुल सदस्य	15

4. प्रांतीय जैन भवन ट्रस्ट बोर्ड :

(क) निर्माण, वित्तीय बंधन एवं संपत्ति संरक्षण हेतु प्रत्येक राज्य में "प्रांतीय जैन भवन ट्रस्ट बोर्ड" योजना सदस्य जैन भवन द्वारा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जैन कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति से होगी। गठित किया जाएगा।

(ख) यह ट्रस्ट बोर्ड केन्द्रीय निकाय के साथ लिखित समझौता (एग्रीमेन्ट/एम.ओ.यू.) के अधीन कार्य करेगा।

(ग) ट्रस्ट बोर्ड की लेखा व्यवस्था पूर्णतः पृथक (Separate Accounting) होगी तथा केन्द्रीय खातों में विलय नहीं होगी।

(घ) वार्षिक ऑडिट अनिवार्य होगा तथा प्रतिवेदन केन्द्रीय निकाय को प्रस्तुत किया जाएगा।

5. संयुक्त संचालन समिति :

(क) प्रत्येक जैन भवन के संचालन हेतु अधिकतम 15 सदस्यों की संयुक्त "संचालन समिति" हर प्रांत जैन भवन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा गठित की जाएगी।

(ख) समिति की संरचना निम्नानुसार होगी :

1. केन्द्रीय ट्रस्ट बोर्ड से	5
2. प्रांतीय जैन भवन ट्रस्ट बोर्ड से	5 (अधिक संख्या होने पर निर्वाचन द्वारा)
3. प्रांतीय शाखा से	5
4. प्रांतीय अध्यक्ष	1
5. प्रांतीय युवा अध्यक्ष	1
6. प्रांतीय महिला अध्यक्षा	1
7. प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत	2

6. पद संरचना :

संचालन समिति में निम्न पद होंगे:

1 - चेयरमैन (भूमि क्रय में तथा जैन भवन निर्माण में विशेष सहयोग देने वाले दानदाता-आजीवन)

(उन्हें आवश्यक परिस्थिति में Nominee नियुक्त करने का अधिकार होगा)

अध्यक्ष (प्रांतीय अध्यक्ष ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष होंगे।)	1
कार्याध्यक्ष	1
उपाध्यक्ष	3
महामंत्री	1
मंत्री	3
कोषाध्यक्ष	1
शेष कार्यकारी सदस्य	4
कुल सदस्य	15

M.J. Home Furnishing
Manufacturer of Bedsheet, Mink Blanket, Bright Velvet
Dohar, Polar Blanket, AC Quilt Fabric
Alipur Khalsa, Khotpura Road, Kohand, Karnal
Mob: 8053018933, 8727890101
E-mail: mjhome025@gmail.com
Vijay Jain
National Chairman - Jain Conference, New Delhi

7. कार्यकाल :

(क) संचालन समिति का कार्यकाल राष्ट्रीय सम्मेलन (Centre) के चुनाव के अनुरूप होगा।
(ख) नई केन्द्रीय कार्यकारिणी के गठन के पश्चात् संचालन समिति का पुनर्गठन किया जाएगा।
(ग) चेयरमैन का पद आजीवन रहेगा।

8. बैंक खाता एवं वित्तीय तत्वावधान :

(क) संचालन समिति का पृथक बैंक खाता होगा।
(ख) खाते का अन्य खातों में विलय नहीं किया जाएगा।
(ग) 3 अधिकृत हस्ताक्षरी होंगे।

1	-	Central Quota से
1	-	Prantiya Trust Quota से
1	-	Prantiya Shakha Quota से

(घ) किसी भी लेन-देन हेतु 3 में से कम से कम 2 हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

9. दाता सम्मान :

(क) निर्माण में विशेष सहयोग देने वाले दानदाताओं के नाम सभागार, कक्ष, पुस्तकालय अथवा अन्य भागों में सम्मानपूर्वक प्रदर्शित किए जा सकेंगे।
(ख) नाम प्रदर्शन से स्वामित्व अधिकार उत्पन्न नहीं होगा।

10. नियम-उपनियम संशोधन अधिकार :

(क) जैन भवन के नियम एवं उपनियम केन्द्रीय सम्मेलन के उद्देश्यों के अनुरूप होंगे।
(ख) केन्द्रीय ट्रस्ट बोर्ड 2/3 बहुमत से इन नियमों की समीक्षा, संशोधन अथवा परिवर्तन कर सकेगा।
(ग) ऐसा निर्णय संबंधित राज्य ट्रस्ट बोर्ड एवं संचालन समिति पर बाध्यकारी होगा।

11. संपत्ति स्वरूप :

जैन भवन की भूमि, भवन एवं अचल संपत्ति सम्मेलन की अविभाज्य संपत्ति मानी जाएगी तथा विक्रय/हस्तांतरण केवल राष्ट्रीय स्तर की स्वीकृति से संभव होगा।

विहार धाम योजना एवं समिति निर्माण - संविधान
श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत

प्रस्तावना :

जैन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं गुरु भगवंतों की सुविधा हेतु प्रत्येक नगर/क्षेत्र में "विहार धाम" की स्थापना, निर्माण, रख-रखाव एवं संचालन हेतु यह संविधान लागू किया जाता है। यह सारे विहारधाम श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में संचालित होंगे।

धारा 1 : नाम

"(नगर/प्रात), विहारधाम समिति-अधीनस्थ श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस"

धारा 2 : उद्देश्य

1. विहार कर रहे संत भगवंतों हेतु मर्यादित एवं सुरक्षित निवास की व्यवस्था।
2. उनके विहार, आहार, साधना एवं प्रवचन व्यवस्था का संयोजन।
3. जैन समाज के लिए धर्मचर्चा, प्रवचन, सामायिक, स्वाध्याय आदि हेतु स्थान उपलब्ध कराना।
4. किसी पंथ, गच्छ या व्यक्ति विशेष का प्रचार नहीं करना सर्व साधु भगवंतों के लिए समान सम्मान।
5. सभी कार्य जैन मर्यादा, अहिंसा, अपरिग्रह व सादगी के सिद्धांतों पर आधारित रहेंगे।

धारा 3 : संरचना

(अ) पदाधिकारी :

योजना अध्यक्ष	1
योजना उपाध्यक्ष	2
योजना सचिव	1
योजना सह-सचिव	1
योजना कोषाध्यक्ष	1
कुल	6

(ब) कार्यकारिणी सदस्य :

1. न्यूनतम 5 और अधिकतम 15 सदस्य
2. विहारधाम योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री स्थायी सदस्य होंगे।

धारा 4 : नियमावली

1. विहारधाम का भूमि स्वामित्व जैन कॉन्फ्रेंस के नाम पर होगा या उसकी सहमति से स्थानीय ट्रस्ट में स्थानांतरित किया जा सकता है।
2. संतों की नियुक्ति/स्वागत विहारधाम समिति या राष्ट्रीय स्तर से अनुशंसा पर हो।
3. कोई भी स्थानीय व्यक्ति व्यक्तिगत स्वामित्व या नियंत्रण न रखे।
4. विहारधाम में केवल वर्तमान में विहार कर रहे संत ही ठहर सकते हैं।
5. रसोई व्यवस्था पूर्णतः सात्विक, बिना आग, जल व शुद्ध नियमों के अनुरूप हो।
6. संतों के विहारकाल में श्रद्धालुओं द्वारा आहार दान, सेवा आदि की मर्यादा बनाई जाए।
7. विहारधाम में किसी भी प्रकार का राजनैतिक या पंथीय विवाद वर्जित होगा।

धारा 5 : आय एवं व्यय

1. आय - समाज के दान, सहयोग राशि, सीएसआर आदि से प्राप्त करना।
2. खर्च - भवन निर्माण, रख-रखाव, संतों की सेवा आदि में खर्च करना।
3. वार्षिक लेखा परीक्षण C.A. द्वारा अनिवार्य।
4. बैंक खाता विहारधाम समिति के नाम से दो अधिकृत हस्ताक्षरों द्वारा संचालित।

धारा 6 : बैठक व निर्णय प्रक्रिया

1. मासिक या त्रैमासिक बैठक आवश्यक।
2. आपातकालीन निर्णय हेतु अध्यक्ष को विशेषाधिकार।
3. हर निर्णय बहुमत से लिया जाएगा।

धारा 7 : राष्ट्रीय निगरानी

1. सभी विहारधामों का रजिस्ट्रेशन श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस में अनिवार्य।
2. विहारधाम योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा एक राष्ट्रीय विहारधाम निरीक्षण मंडल नियुक्त किया जाए जो सभी विहारधामों की निगरानी, मर्यादा एवं रिपोर्टिंग का कार्य करें।
3. कोई भी स्थानीय समिति राष्ट्रीय समिति की अनुमति के बिना किसी संत को स्थायी निवास की अनुमति नहीं दे सकती।

पारा 8 : विहार धाम की एकरूपता (Uniformity Guidelines) :

1. भवन की संरचना - साधारण, वातानुकूलन रहित, शांत व साधना योग्य।
2. नामपट्ट - श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस विहारधाम (दानदाता/भूमिदाता का नाम)
3. प्रतीक - कॉन्फ्रेंस द्वारा निर्धारित प्रतीक चिह्न व ध्वज हर विहारधाम में लगाया जाए।
4. संचालन नियम सभी विहारधाम एक समान हों।
5. भवन में कोई निजी मूर्ति, चित्र या परिवार विशेष का नाम अंकित करने हेतु राष्ट्रीय विहारधाम समिति की मान्यता आवश्यक रहेगी।

धारा 9 : विवाद समाधान

स्थानीय विवाद पहले प्रांतीय समिति, फिर राष्ट्रीय समिति द्वारा सुलझाया जाएगा। अंतिम निर्णय जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का होगा।

धारा 10 : संशोधन

कोई भी संशोधन केवल राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पूर्व अनुमति से ही किया जा सकता है।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस
SHRI ALL INDIA SWETAMBER STHANAKWASI JAIN CONFERENCE
Head Office : Jain Bhawan, 12, Shaheed Bhagat Singh Marg, Gole Market, New Delhi - 110001
Tel: 011- 23363729, 23365420 Mob: 9019731906 Email: aissjc1906@gmail.com Website : https://jainconference.org

AISSJC/MEETING-MCM-IV/25-27/4591/26/840 दिनांक : 06.04.2026

राष्ट्रीय प्रबन्ध समिति सभा की सूचना

मान्यवर महोदय
सादर जय जिनेन्द्र!
हम आशा करते हैं कि आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्नचित होंगे।
श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की **राष्ट्रीय प्रबन्ध समिति (कार्यकाल 2025–27)** की सभा **रविवार, दिनांक 03.05.2026** को **राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय श्रीमान् अतुलजी जैन** की अध्यक्षता में **जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्किट, नई दिल्ली – 110 001 में प्रातः 11:00 बजे** से आयोजित की जा रही है। आपश्रीजी से सादर अनुरोध है कि सभा में पधारकर अपने विचारों एवं महत्वपूर्ण सुझावों से सभा को लाभान्वित करें।
सभा में विचारणीय विषय सूची निम्न प्रकार से है ।
विषय सूची :–
01. दिवंगत साधु–साध्वीवृंद एवं श्रावक–श्राविकाओं को श्रद्धांजलि ।
02. गत् सभा की कार्यवाही की पुष्टि करना ।
03. सभा की तारीख से 7 दिन पूर्व तक प्राप्त आजीवन सदस्यता आवेदन पत्रों की जानकारी प्रदान कर स्वीकृति प्रदान करना ।
04. श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के अमृत महोत्सव वर्ष (75वाँ) के वार्षिक आयोजनों की चर्चा एवं निर्धारण ।
05. विभिन्न योजनाओं एवं सेवा कार्यों के दानदाताओं की जानकारी एवं अनुमोदना ।
06. संविधान / नियम–उपनियम संशोधन समिति द्वारा तैयार किए गए प्रस्तावित संशोधित संविधान के प्रारूप को प्रस्तुत करना ।
07. अन्य विषय राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय जी की आज्ञा से ।
धन्यवाद सहित !
भवदीय

(डॉ. अमितराय जैन)
राष्ट्रीय महामंत्री

नोट : 1. संपूर्ण सभा में आपकी उपस्थिति आवश्यक है।
2. कोरम के अभाव में सभा उसी दिन उसी स्थान पर आधे घण्टे के बाद होगी।
3. यदि कोई सदस्य किसी प्रकार की जानकारी चाहते हैं तो, केन्द्रीय कार्यालय को सभा की तारीख से 7 दिन पूर्व लिखित रुप में सूचना भेजें अन्यथा सभा में आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थता हो सकती है।
4. सभा में पधारने वाले सभी महानुभावों से अनुरोध है कि अपने आने की सूचना पहले दें ताकि आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके ।
5. प्रस्तावित संविधान संशोधन के नियम–उपनियम आपके अवलोकनार्थ जैन कॉन्फ्रेंस की अधिकारिक वेबसाईट www.jainconference.org पर अपलोड़ कर दिए गये हैं तथा जैन प्रकाश समाचार पत्र अप्रैल द्वितीय 2026 के अंक में प्रकाशित किए गए हैं।
6. अधिक जानकारी के लिए संपर्क सूत्र : कार्यालय : 011 – 23363729, 23365420, 90197 31906, श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव–महाप्रबंधक जैन कॉन्फ्रेंस : 98830 18244, ई–मेल:aissjc1906@gmail.com
7. विशेष सूचना : आपको अवगत करना चाहते है कि, संविधान–नियम/उपनियम के अनुसार नियम 9. का उपनियम (ई) '6' पृष्ठ संख्या 31 पर अंकित है कि, "राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय प्रबंध समिति सदस्य एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य लगातार तीन सभाओं में अनुपस्थित होते हैं तो (तीन में से एक सभा में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा) उसकी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति व राष्ट्रीय प्रबंध समिति की सदस्यता स्वतः ही रदद हो जायेगी, फिर चाहे वह निर्वाचित हो या मनोनीत। उनके कार्यकाल की वैधानिकता भी समाप्त हो जायेगी।"

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस
SHRI ALL INDIA SWETAMBER STHANAKWASI JAIN CONFERENCE
Head Office : Jain Bhawan, 12, Shaheed Bhagat Singh Marg, Gole Market, New Delhi - 110001
Tel: 011- 23363729, 23365420 Mob: 9019731906 Email: aissjc1906@gmail.com Website : https://jainconference.org

AISSJC/MEETING-NEC-IV/25-27/4592/26/840 दिनांक : 06.04.2026

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा की सूचना

मान्यवर महोदय
सादर जय जिनेन्द्र!
हम आशा करते हैं कि आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्नचित होंगे।
श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की **राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (कार्यकाल 2025–27)** की सभा **राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय श्रीमान् अतुलजी जैन** की अध्यक्षता में **रविवार, दिनांक 03.05.2026** को **दोपहर 1:00 बजे** से **जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्किट, नई दिल्ली – 110 001** में आयोजित की जा रही है। आपश्रीजी से सादर अनुरोध है कि सभा में पधारकर अपने विचारों एवं महत्वपूर्ण सुझावों से सभा को लाभान्वित करें।
सभा में विचारणीय विषय सूची निम्न प्रकार से है ।
विषय सूची :–
01. दिवंगत साधु–साध्वीवृंद एवं श्रावक–श्राविकाओं को श्रद्धांजलि ।
02. गत् सभा की कार्यवाही की पुष्टि करना ।
03. राष्ट्रीय प्रबंध समिति सभा द्वारा पारित संविधान / नियम–उपनियम संशोधन समिति द्वारा तैयार किए गए संशोधित संविधान के प्रारूप को प्रस्तुत कर साधारण सभा में पेश करना ।
04. श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के अमृत महोत्सव वर्ष (75वाँ) के वार्षिक आयोजनों की चर्चा एवं निर्धारण ।
05. विभिन्न योजनाओं एवं सेवा कार्यों के दानदाताओं की जानकारी एवं अनुमोदना ।
06. अन्य विषय राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय जी की आज्ञा से ।
धन्यवाद सहित !
भवदीय

(डॉ. अमितराय जैन)
राष्ट्रीय महामंत्री

नोट : 1. संपूर्ण सभा में आपकी उपस्थिति आवश्यक है।
2. कोरम के अभाव में सभा उसी दिन उसी स्थान पर आधे घण्टे के बाद होगी।
3. यदि कोई सदस्य किसी प्रकार की जानकारी चाहते हैं तो, केन्द्रीय कार्यालय को सभा की तारीख से 7 दिन पूर्व लिखित रुप में सूचना भेजें अन्यथा सभा में आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थता हो सकती है।
4. सभा में पधारने वाले सभी महानुभावों से अनुरोध है कि अपने आने की सूचना पहले दें ताकि आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके ।
5. प्रस्तावित संविधान संशोधन के नियम–उपनियम आपके अवलोकनार्थ जैन कॉन्फ्रेंस की अधिकारिक वेबसाईट www.jainconference.org पर अपलोड़ कर दिए गये हैं तथा जैन प्रकाश समाचार पत्र अप्रैल द्वितीय 2026 के अंक में प्रकाशित किए गए हैं।
6. अधिक जानकारी के लिए संपर्क सूत्र : कार्यालय : 011 – 23363729, 23365420, 90197 31906, श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव–महाप्रबंधक जैन कॉन्फ्रेंस : 98830 18244, ई–मेल:aissjc1906@gmail.com
7. विशेष सूचना : आपको अवगत करना चाहते है कि, संविधान–नियम/उपनियम के अनुसार नियम 9. का उपनियम (ई) '6' पृष्ठ संख्या 31 पर अंकित है कि, "राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय प्रबंध समिति सदस्य एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य लगातार तीन सभाओं में अनुपस्थित होते हैं तो (तीन में से एक सभा में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा) उसकी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति व राष्ट्रीय प्रबंध समिति की सदस्यता स्वतः ही रदद हो जायेगी, फिर चाहे वह निर्वाचित हो या मनोनीत। उनके कार्यकाल की वैधानिकता भी समाप्त हो जायेगी।"

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस
SHRI ALL INDIA SWETAMBER STHANAKWASI JAIN CONFERENCE
Head Office : Jain Bhawan, 12, Shaheed Bhagat Singh Marg, Gole Market, New Delhi - 110001
Tel: 011- 23363729, 23365420 Mob: 9019731906 Email: aissjc1906@gmail.com Website : https://jainconference.org

AISSJC/MEETING-NEC-III/25-27/4593/26/840 दिनांक : 06.04.2026

साधारण सभा की सूचना

मान्यवर महोदय
सादर जय जिनेन्द्र!
हम आशा करते हैं कि आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्नचित होंगे।
श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की **साधारण सभा (कार्यकाल 2025–27)** की सभा **राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय श्रीमान् अतुलजी जैन** की अध्यक्षता में **रविवार, दिनांक 03.05.2026** को **दोपहर 4:00 बजे** से **जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्किट, नई दिल्ली – 110 001** में आयोजित की जा रही है। आपश्रीजी से सादर अनुरोध है कि सभा में पधारकर अपने विचारों एवं महत्वपूर्ण सुझावों से सभा को लाभान्वित करें।
सभा में विचारणीय विषय सूची निम्न प्रकार से है ।
विषय सूची :–
01. दिवंगत साधु–साध्वीवृंद एवं श्रावक–श्राविकाओं को श्रद्धांजलि ।
02. गत् सभा की कार्यवाही की पुष्टि करना ।
03. श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के अमृत महोत्सव वर्ष (75वाँ) के वार्षिक आयोजनों की चर्चा एवं निर्धारण ।
04 वर्तमान कार्यकाल में जैन कॉन्फ्रेंस द्वारा की जा रही धार्मिक/सामाजिक गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना ।
05. राष्ट्रीय प्रबंध समिति सभा एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा पारित संविधान / नियम–उपनियम संशोधन समिति द्वारा तैयार किए गए संशोधित संविधान के प्रारूप को प्रस्तुत कर पास कराना।
06. अन्य विषय राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय जी की आज्ञा से ।
धन्यवाद सहित !
भवदीय

(डॉ. अमितराय जैन)
राष्ट्रीय महामंत्री

नोट : 1. संपूर्ण सभा में आपकी उपस्थिति आवश्यक है।
2. कोरम के अभाव में सभा उसी दिन उसी स्थान पर आधे घण्टे के बाद होगी।
3. यदि कोई सदस्य किसी प्रकार की जानकारी चाहते हैं तो, केन्द्रीय कार्यालय को सभा की तारीख से 7 दिन पूर्व लिखित रुप में सूचना भेजें अन्यथा सभा में आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थता हो सकती है।
4. सभा में पधारने वाले सभी महानुभावों से अनुरोध है कि अपने आने की सूचना पहले दें ताकि आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके ।
5. प्रस्तावित संविधान संशोधन के नियम–उपनियम आपके अवलोकनार्थ जैन कॉन्फ्रेंस की अधिकारिक वेबसाईट www.jainconference.org पर अपलोड़ कर दिए गये हैं तथा जैन प्रकाश समाचार पत्र अप्रैल द्वितीय 2026 के अंक में प्रकाशित किए गए हैं।
6. अधिक जानकारी के लिए संपर्क सूत्र : कार्यालय : 011 – 23363729, 23365420, 90197 31906, श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव–महाप्रबंधक जैन कॉन्फ्रेंस : 98830 18244, ई–मेल:aissjc1906@gmail.com
7. विशेष सूचना : आपको अवगत करना चाहते है कि, संविधान–नियम/उपनियम के अनुसार नियम 9. का उपनियम (ई) '6' पृष्ठ संख्या 31 पर अंकित है कि, "राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय प्रबंध समिति सदस्य एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य लगातार तीन सभाओं में अनुपस्थित होते हैं तो (तीन में से एक सभा में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा) उसकी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति व राष्ट्रीय प्रबंध समिति की सदस्यता स्वतः ही रदद हो जायेगी, फिर चाहे वह निर्वाचित हो या मनोनीत। उनके कार्यकाल की वैधानिकता भी समाप्त हो जायेगी।"

प्रेस्टीज
प्रतिबद्ध है भारत को समृद्ध एवं प्रबुद्ध बनाने के लिये अपने सर्वश्रेष्ठ सोया प्रोटीन सोया तेल, वनस्पति, सोया बड़ी गेहूँ का आटा मैदा, रवा, सूजी और उत्कृष्ट शिक्षा K.G. से Ph.D. के द्वारा
भारत को जरूरत है स्वर्ण पदकों की ओलम्पिक और नोबल पुरस्कार विजेताओं की
स्वस्थ व प्रबुद्ध भारत के लिये
प्रेस्टीज सोया खाद्य और समग्र शिक्षा
बेहतर भोजन - बेहतर शिक्षा - बेहतर राष्ट्र

प्रेस्टीज फूड्स लिमिटेड
प्रेस्टीज फीड मिल्स लिमिटेड
प्रेस्टीज सोया इंडस्ट्रीज
प्रेस्टीज फ्रोटेक लिमिटेड
प्रेस्टीज फीड मिल्स
प्रेस्टीज फैब्रिकेटर्स प्रा. लिमिटेड
प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर (अंडर ग्रेजुएट्स)
प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर (पोस्ट ग्रेजुएट्स)
प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्वालियर
प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, देवास
प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस, इंदौर
प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल, इंदौर

प्रेस्टीज ग्रुप ऑफ इन्डस्ट्रीज एंड इंस्टीट्यूट्स
स्टार एक्सपोर्ट हाउस (भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) आई.एस.ओ. : 9000 2001 प्रमाणिक ग्रुप
30, Jaora Compound, M.Y.H. Road, Indore - 452001, M.P.
Phone.: 0731-4011111, 4041111 Fax: 4011107, 2704455 E-mail: info@prestigeindia.com Website: prestigeindia.com

जैन कॉन्फ्रेंस के प्रतिनिधि मण्डल ने महावीर जन्म कल्याणक विषय पर दिल्ली मुख्यमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से उनके आवास पर जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अमितराय जैन के नेतृत्व में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन, राष्ट्रीय महिलाध्यक्षा श्रीमती संतोष जैन, एस.एस. जैन सभा रोहिणी सेक्टर 3 के प्रधान श्री गंगेश जैन एवं जैन, श्री राजेन्द्र जैन 'बब्बल', श्रीमती मोनिका नवीन जैन ने मुलाकात कर महावीर जन्म कल्याणक के विषय पर दिल्ली सरकार के प्रचार कार्यक्रमों के विषय में वार्ता की।

– संपादक मण्डल

अमृतसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

अमृतसर (पंजाब) : गोल बाग अमृतसर जैन सभा के तत्वावधान में पूज्य प्रवर्तक श्री आशीषमुनि महाराज आदि साधुवृंद के सान्निध्य में भगवान महावीर स्वामी जी के जन्म कल्याणक के अवसर पर, पंजाब गौरव महाश्रमण आचार्य प्रवर श्री अमरसिंह महाराज की 221वीं जन्म जयंती, 185वीं दीक्षा जयंती एंव 170वीं पट्टारोहन दिवस, तपस्वीरत्न गुरुदेव श्री सुमति प्रकाश म.सा. की 67वीं दीक्षा जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वेल्लूर में जैन संतों का मंगल मिलन

वेल्लूर (तमिलनाडु) : तमिलनाडु के वेल्लूर शहर में स्थित महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर के संस्थापक हिंदू धर्म के महायोगी श्रीअम्मा एवं श्रमण संघीय सलाहकार क्रांतिकारी संत पू. श्री कमलमुनि महाराज का मंगल मिलन हुआ। इस शुभ अवसर पर हिंदू और जैन धर्म के समन्वय आदि विषयों पर चर्चा वार्ता संपन्न हुई।

हुबली में जैन धर्म की दो धाराओं के महापुरुषों का मंगल मिलन

हुबली (कर्नाटक) : हुबली शहर में जैन धर्म की दो धाराओं के महापुरुषों का मंगल मिलन हुआ। आचार्य श्री विमलसागर सूरी म. एवं तपस्वी उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनि महाराज का मिलन हुआ। दोनों महापुरुषों के मध्य संघ एकता और समन्वय के विषयों पर चर्चा-वार्ता संपन्न हुई।

इन्दौर में किया गया गौतम लब्धि प्रसादी का आयोजन

इन्दौर (मध्य प्रदेश) : श्री स्थानकवासी जैन युवक संघ महावीर भवन द्वारा युवाचार्य पू. श्री महेंद्रऋषि म.सा. के होली चातुर्मास के उपलक्ष में गौतम लब्धि प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें तकरीबन 500 लोगों ने इस प्रसादी का लाभ लिया। इस कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेंस विश्वस्त मण्डल के चेयरमैन श्री रमेश भंडारी जैन, मानव सेवा योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाश भटेवरा जैन, श्री राजेंद्र चोरड़िया जैन, श्री राजकुमार जैन, श्री रितेश कटकानी जैन, श्री सुविधि झावेरी जैन आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। युवक संघ अध्यक्ष श्री स्वप्निल संचेती जैन ने बताया कि युवक संघ का संपूर्ण बोर्ड इसस कार्य में अग्रणी रहा।

संपतराज कोठारी जैन को जैन रत्न से किया गया सम्मानित

सिकंदराबाद (तेलंगाना) : जैन कॉन्फ्रेंस के विभिन्न पदों को सुशोभित कर संघ समाज में सेवा कार्यों से पहचान बनाने वाले श्री संपतराज कोठारी जैन सिकंदराबाद को जैन सेवा संघ द्वारा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर जैन रत्न से अलंकृत किया गया। जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रव्यापी परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

जैन भवन, नई दिल्ली में महावीर जन्म कल्याणक की संध्या पर भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम

नई दिल्ली : भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव की पावन संध्या पर राजधानी दिल्ली में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अलौकिक वातावरण देखने को मिला। श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के तत्वावधान में केन्द्रीय कार्यालय जैन भवन के सांस्कृतिक हॉल में आयोजित भव्य भजन संध्या ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित, आकर्षक एवं गरिमामय रहा, जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों ने सपरिवार उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

भक्ति की मधुर लहरियों ने ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु भजनों की धुनों पर झूम उठे। प्रख्यात कवयित्री डॉ. अनामिका जैन 'अम्बर' की ओजस्वी, भावपूर्ण एवं आत्मस्पर्शी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष ऊँचाई प्रदान की। उनके भजनों और काव्य-पाठ ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया और पूरा हॉल भक्ति-रस में सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अतुल जैन ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा, 'भगवान महावीर का 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत आज के अशांत और तनावग्रस्त विश्व में मानवता के लिए सबसे बड़ा मार्गदर्शक है। यदि हम अहिंसा, अनेकांतवाद, अपरिग्रह और सत्य जैसे मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें, तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में शांति स्थापित होगी, बल्कि समाज और राष्ट्र भी सद्भाव, सहिष्णुता और समरसता की दिशा में अग्रसर होंगे।'

इस कार्यक्रम के मुख्य लाभार्थी श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अतुल जैन एवं राष्ट्रीय चेयरमैन श्री विजय जैन (पानीपत) रहे। जिनके कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता और मार्गदर्शन में यह आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन ने जहाँ महावीर जन्म कल्याणक के उत्सव को गरिमा प्रदान की, वहीं समाज को आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा भी दी। सभा का सुंदर व व्यवस्थित संचालन राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अमितराय जैन ने किया।

कार्यक्रम के समापन पर भगवान महावीर के मंगलमय संदेशों के साथ भजन संध्या का समापन हुआ, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन में शांति, भक्ति और नव ऊर्जा का संचार किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री जसवंत जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री विनय जैन, राष्ट्रीय पर्यवेक्षक श्री सुभाष ओसवाल जैन, जितेन्द्र जैन - प्रान्तीय अध्यक्ष दिल्ली, राष्ट्रीय सह - कोषाध्यक्ष श्री रजनीश जैन, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री विपुल जैन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती संतोष जैन, हरियाणा प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. रामनिवास जैन, दिल्ली महिला अध्यक्षा श्रीमती सीमा जैन, युवा अध्यक्ष दिल्ली श्री विनीत जैन सहित अनेक दिल्ली एवं आस-पास के राष्ट्रीय/प्रान्तीय/युवा तथा महिला पदाधिकारीगण एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

यह भजन संध्या न केवल एक धार्मिक आयोजन रही, बल्कि समाज को एकजुट करने, आध्यात्मिक चेतना जागृत करने और महावीर स्वामी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम भी बनी।

प्रेषक : अनिल श्रीवास्तव, महाप्रबंधक-जैन भवन

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी को हरियाणवी भाषा का उत्तराध्यन सूत्र भेंट

चंडीगढ़ : उत्तर भारतीय प्रवर्तक पू. श्री सुभद्रमुनि म. के द्वारा विश्व में पहली बार जैन आगमों का हरियाणवी भाषा में अनुवाद किया गया। पहले आप द्वारा दसवैकालिक सूत्र का अनुवाद एवं प्रकाशन किया गया था। अब भगवान महावीर की अंतिम देशना आगम उत्तराध्ययन सूत्र का हरियाणवी भाषा में अनुवाद करके उन्होंने नया इतिहास रच दिया। याद रहे प्रवर्तक पू. श्री सुभद्रमुनि महाराज का विद्वतापूर्ण हिंदी भाषा का साहित्य वैश्विक स्तर पर विद्वान वर्ग के बीच अत्यधिक चर्चित एवं स्वीकार्य है। दिल्ली से गए स्थानकवासी जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायबसिंह सैनी को पूज्य प्रवर्तक श्री सुभद्रमुनि महाराज के द्वारा अनुवादित हरियाणवी भाषा के उत्तराध्सन सूत्र को भेंट किया।

प्रेषक : नवीन जैन, दीपाली, दिल्ली

With Best Wishes :

R.Mahaveer Chand Ranka

Rajesh kumar-Aarti Jain Vinod kumar-Seema Jain

Dr Rohit, Mohit, Shruthi, Shubh kumar, Aditi Jain

JAIN JEWELLERY 916 HALL MARK SHOWROOM • POLUR | JAIN SILKS & READYMADES • POLUR | Varnalaya • POLUR • TIRUVANAMALAI • VILLUPURAM

JAIN PETRO Reliance Petroleum Retail Outlet, Diversion Road, Polur 606-803 | OXFORD MATRIC HR. SEC SCHOOL | OXFORD COLLEGE OF ENGINEERING POLUR

R.Mahaveer Chand Ranka
राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक - जैन कॉन्फ्रेंस
9444204046
E mail : rmrjainplr@gmail.com

M. Rajeshkumar Ranka
प्रान्तीय महामंत्री - जैन कॉन्फ्रेंस, तमिलनाडु
9994916455
E mail : rajplr246jj@gmail.com

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र
जैन प्रकाश

PRGI : DLHIN/25/A4261
Postal Regn. No. DL(ND) 11/6078/2026-27-2028
U (C)

Date of Publication : 08-04-2026
Date of Posting : 14/15-04-2026
E-mail : aissjc1906@gmail.com

भाषा : हिन्दी ✲ वर्ष : 70 ✲ अंक : 6
पृष्ठ : 8 ✲ माह : अप्रैल ✲ सप्ताह : 08 से 14
मूल्य : ₹ 10

सह-सम्पादक : जसवंत जैन-दिल्ली, पीयूष जैन-इंदौर, गौतम दुगड़ जैन-चेन्नई

पाकिस्तान में स्थानकवासी जैन परंपरा की भूली-बिसरी विरासतें...

श्री अमर जैन हॉस्टल, लाहौर का ऐतिहासिक भवन

लाहौर से चंडीगढ़ तक की प्रेरक यात्रा

चंडीगढ़ में वर्तमान में लाहौर जैन हॉस्टल की भव्य बिल्डिंग

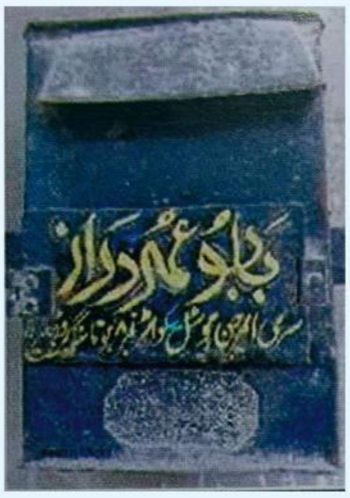
अमर जैन हॉस्टल का पोस्ट बॉक्स

लाहौर में वर्तमान में अमर जैन हॉस्टल का गेट

श्री अमर जैन हॉस्टल का इतिहास जैन समाज की दूरदर्शिता और शिक्षा-प्रेम का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। पंजाब के जैन स्थानकवासी समाज ने समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, उस समय पंजाब के सबसे बड़े शैक्षिक केंद्र लाहौर के संतनगर क्षेत्र में 'श्री अमर जैन हॉस्टल' की स्थापना की। इस संस्था का नामकरण पंजाब परंपरा के महान पूज्य आचार्य श्री अमरसिंह जी महाराज के सम्मान में किया गया था।

यह हॉस्टल एक विशाल भवन में स्थापित था, जहाँ विद्यार्थियों के निवास हेतु सुसज्जित कक्ष उपलब्ध थे। लाहौर में शिक्षा प्राप्त करने आने वाले जैन विद्यार्थी यहाँ शुद्ध, सात्त्विक एवं अनुशासित वातावरण में रहकर अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण करते थे। उस समय समाज के शैक्षिक उत्थान में इस हॉस्टल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

भारत-पाकिस्तान विभाजन (1947) के पश्चात् उत्पन्न परिस्थितियों के कारण यह संस्था लाहौर में संचालित नहीं रह सकी। कालांतर में इस विशाल भवन के विभिन्न कक्षों पर स्थानीय लोगों द्वारा ताले लगाकर कब्जा कर लिया गया, किन्तु भवन का मूल स्थापत्य तथा उसका मुख्य द्वार आज भी यथावत विद्यमान है।

लाहौर के स्थानीय अनुसंधान-प्रेमी मित्रों के सहयोग से मैंने अमर जैन हॉस्टल की इस पुरानी इमारत के कुछ छायाचित्र प्राप्त किए। आज भी वहाँ उस स्थान को 'अमर जैन हॉस्टल' के नाम से जाना जाता है। इसका प्रमाण हॉस्टल के मुख्य द्वार की दीवार पर लगा डाक विभाग का पोस्ट बॉक्स है, जिस पर 'अमर जैन हॉस्टल' अंकित है।

स्वाधीनता-पूर्व इस हॉस्टल की ऐतिहासिकता का अनुमान इस तथ्य से भी लगाया जा सकता है कि यहाँ भारत की स्वतंत्रता के महान सेनानी अमर शहीद भगतसिंह एवं उनके साथियों का निरंतर आगमन होता था तथा क्रांतिकारी योजनाओं का संचालन भी यहीं से किया जाता था। इसके प्रमाण स्वरूप कुछ विशिष्ट दस्तावेज मेरे पास सुरक्षित हैं। विभाजन के पश्चात् हुए समझौते के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा पंजाब स्थानकवासी जैन समाज को चंडीगढ़ के मध्य में इस हॉस्टल के पुर्नस्थापन हेतु एक विशाल भूखंड प्रदान किया गया। वहाँ पंजाब स्थानकवासी जैन महासभा ने पुनः 'श्री अमर जैन हॉस्टल' की स्थापना कर अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लगभग डेढ़ दशक पूर्व मेरे प्रिय मित्र स्वर्गीय भाई श्री राकेश जैन (लुधियाना) के नेतृत्व में इस हॉस्टल के नवनिर्मित, विशाल एवं अत्याधुनिक भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ तथा उसका उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ, जिसमें मुझे भी उपस्थित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस प्रकार 'श्री अमर जैन हॉस्टल' केवल एक भवन नहीं, बल्कि जैन समाज की शैक्षिक चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और ऐतिहासिक निरंतरता का जीवंत प्रतीक है, जो लाहौर से चंडीगढ़ तक अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

प्रस्तुति - डॉ. अमितराय जैन, बड़ौत

(क्रमशः)

जैन गौरव

क्रांतिकारी श्री फूलचन्द जी जैन (अलवर)

श्री फूलचन्द जी जैन (अलवर) का विवाह बहादुरपुर में श्री उमराव सिंह जी के यहाँ चमेली देवी से हुआ, जो प्रसिद्ध जैन परिवार था। उस समय उनकी आयु 16 वर्ष थी। फूलचन्द्र जी का परिवार गांधीवादी स्वतंत्रता सेनानी था। चमेली देवी भी परिवार के कारण पर्दा प्रथा को मानती थी। स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियों में परिवार के विरोध के बावजूद भी सदैव सक्रिय रहे। लाहौर सत्र में पूर्ण स्वराज के आह्वान में 4 माह जेल में रहे। यह घटना 1929 की है । 1932 में गांधी जी ने विदेशी वस्तुओं के खिलाफ एक प्रमुख राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह की मांग थी। यह कि लार्ड लोथियन पर एक बम फेंक दिया । इस अभियान में फूलचन्द जी की सक्रियता थी। वे क्रांतिकारी हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का हिस्सा बन गये। जिससे वे भगत सिंह और चन्द्रशेखर आजाद के सम्पर्क में आ गये। आजाद ने स्वयं स्वीकारा कि उन्हें प्रथम रिवाल्वर फूलचन्द जी जैन ने ही दिया था। चमेली देवी अब घूँघट छोड क्रांति में सक्रिय हो गई, उनको पुत्र रत्न प्राप्त हुआ जिनका नाम एल.सी. जैन रखा गया। चमेली देवी की जेल यात्रा के दौरान एक आँख चली गई तथा उनकी 5 वर्ष की बालिका गैलरी से गिरकर मृत्यु को प्राप्त हुई। परिवार विरोध तथा सैकडों संकटों के बाद भी वे झुके नहीं। स्वतंत्रता के पश्चात् उनके पौत्र ने चमेली देवी पुरस्कार की घोषणा की।

स्रोत : जैन भवन अभिलेखागार

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की ज्ञान प्रकाश योजना के अंतर्गत प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का आयोजन

महावीर प्रश्नावली (भाग-2)

प्रश्न 1. : महावीर स्वामी के जीव ने सर्वप्रथम संतों का आहार दान कहाँ दिया ?

प्रश्न 2. : नयसार कौन था ?

प्रश्न 3. : महावीर स्वामी ने कौन से भव में जातिमद किया ?

प्रश्न 4. : मरीचि कौन था ?

प्रश्न 5. : महावीर स्वामी का नीच गोत्र का बन्ध कितने भवों तक रहा ?

नोट : सही उत्तर देने वाले सौभाग्यशाली 4 प्रतिभागियों को रुपये 500/- की नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा एवं विजेताओं के नाम एवं प्रश्नों के सही उत्तर प्रत्येक जैन प्रकाश साप्ताहिक पत्रिका में प्रकाशित किए जाएंगे।

प्रायोजक : श्री नरेश आनंद प्रकाश जैन - राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश योजना

उत्तर भेजने हेतु संपर्क सूत्र - श्री नरेन्द्र जैन - राष्ट्रीय मंत्री ज्ञान प्रकाश योजना : 98101 63165

पिंपरी चिंचवड़ में अहिंसा रैली का आयोजन

पिंपरी चिंचवड (महाराष्ट्र) : जैन महासंघ की ओर से भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में अहिंसा सप्ताह अहिंसा रैली, अहिंसा पुरस्कार तथा भक्ति संगीत का सुंदर आयोजन किया गया। पिंपरी चिंचवड जैन महासंघ एवं सहयोगी संघो की ओर से दिनांक 25 से 31 मार्च 2026 के इस सप्ताह में सामाजिक, धार्मिक, अनाज वितरण, रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर, कर्करोग चिकित्सा शिविर ऐसे कुल 40 कार्यक्रम संपन्न किये गये। महासंघ के अध्यक्ष श्रेयस पगारिया, कार्याध्यक्ष विजय भिलवडे, महामंत्री संदीप फुलफगर तथा संस्थापक, अध्यक्ष एवं जैन कॉन्फ्रेंस की हर प्रांत जैन भवन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोककुमार पगारिया जैन आदि सदस्यों ने संयोजन किया।

S.K. Jain

NAMOKAR METALS

Deals in: Ferrous Non Ferrous &
All Kinds of Industrial Scrap

अंकुर जैन
राष्ट्रीय युवा चेयरमैन
जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली

Plot No.-5, SarurPur Ind. Area.
Nangla gujran, Near Nagar chowk, Faridabad
E-mail : namokarmetals@gmail.com Mobile : 9811601241

इस जगत में पाने जैसा कुछ भी नहीं है। जो पाने जैसा है वह आपने पाया ही हुआ है। मात्र स्मृति को स्वच्छ करना हैं। मात्र स्मरण जग जाए आपके भीतर की परमसंपदा आप ही हैं।

श्रमण संघीय जैन पर्व

दिनांक 19 अप्रैल : श्रमण संघ स्थापना दिवस
दिनांक 19 अप्रैल : अक्षय तृतीया, वर्षीतप पारणा
दिनांक 20 अप्रैल : अध्यात्मयोगी श्री ज्येष्ठमल जी म. - स्मृति दिवस
दिनांक 21 अप्रैल : आचार्य सम्राट् डॉ. शिवमुनि जी म. - दीक्षा दिवस
दिनांक 22 अप्रैल : मंत्री श्री कमलमुनि जी म. - दीक्षा दिवस
दिनांक 23 अप्रैल : महाश्रमण श्री ज्ञानमुनि जी म. - स्मृति दिवस
दिनांक 23 अप्रैल : प्रवर्तक श्री रमेशमुनि जी म. - दीक्षा जयन्ती
दिनांक 25 अप्रैल : सलाहकार श्री राममुनि जी म. 'निर्भय' - दीक्षा दिवस
दिनांक 26 अप्रैल : प्रथम युवाचार्य श्री मिश्रीमलजी म. 'मधुकर'-दीक्षा जयन्ती
दिनांक 26 अप्रैल : प्रवर्तक श्री आशीष मुनि जी म. - दीक्षा दिवस
दिनांक 27 अप्रैल : आचार्य सम्राट् श्री देवेन्द्र मुनि जी म. - स्मृति दिवस
दिनांक 27 अप्रैल : अहिंसा दिवस (राजस्थान सरकार)
दिनांक 27 अप्रैल : भगवान महावीर संघ स्थापना दिवस

लौकिक एवं राष्ट्रीय पर्व

दिनांक 23 अप्रैल : विश्व पुस्तक दिवस

सम्पादकीय अस्वीकरण : 'जैन प्रकाश' में प्रकाशित समाचार, लेख एवं विचार संबंधित लेखकों/समाचार प्रेषकों/अन्य स्रोतों के निजी विचार हैं। उनकी सत्यता एवं प्रामाणिकता के लिए वही उत्तरदायी होंगे। संपादक एवं प्रकाशक किसी भी त्रुटि, मानहानि या विवाद के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। यह प्रकाशन भारतीय प्रेस एवं पंजीकरण अधिनियम, 1867 तथा लागू भारतीय कानूनों के अंतर्गत है। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र नई दिल्ली होगा। - डॉ. अमित जैन (सम्पादक/प्रकाशक)

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस (रजि.) के लिए सम्पादक एवं प्रकाशक अमित जैन द्वारा मुद्रक पारस ऑफसेट प्रा.लि., 118-F, सेक्टर 56, फेज 5, कुंडली इंडस्ट्रियल स्टेट, सोनीपत - 131 028 द्वारा मुद्रित।
केन्द्रीय कार्यालय : जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्किट, नई दिल्ली - 110 001 से प्रकाशित ✲ सम्पर्क : 90197 31906